दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

वर्ष-5 अंक-50 भोपाल, शनिवार 01 जनवरी, 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

पंचांग
पौष कृष्णा द्वादशी, शुक्रवार 22
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:59/5:42
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	40 %
वायु (किमी/घं.)	10
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट
प्रति 10 ग्राम/1तोला
₹ 49,270

शेयर सूचकांक

बीएसई	57794.32	-12.17
निफ्टी	17203.95	-9.65

प्रदेश में बिजली महंगी, प्रति यूनिट 7 पैसे बढ़ाई

भोपाल। मप्र में बिजली उपभोक्ताओं को नए साल महंगी बिजली का झटका मिला है। एक जनवरी से उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 7 पैसे अधिक भुगतान करना होगा। बिजली कंपनियों की याचिका पर मप्र विद्युत नियामक आयोग ने चालू वित्तीय वर्ष के अंतिम तिमाही के लिए फ्यूल कास्ट एडजस्टमेंट बढ़ाने का आदेश जारी किया है।

कपड़े पर टैक्स बढ़ाने का फैसला वापस, अब 1 जनवरी से कपड़े महंगे नहीं होंगे

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई GST काउंसिल की बैठक में रेडीमेड कपड़े पर टैक्स बढ़ाने का फैसला वापस ले लिया गया है। दिल्ली में काउंसिल की बैठक के बाद हिमाचल प्रदेश के उद्योग मंत्री बिक्रम सिंह ने इसकी जानकारी दी।

दिलीप बिल्डकॉन के घर-दफ्तरों पर सीबीआई की रेड; 4 करोड़ रुपए मिले

भोपाल में 20 अफसरों ने डेरा डाला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

भोपाल में दिलीप बिल्डकॉन के ऑफिस और घर पर दिल्ली से आई सीबीआई की टीम ने गुरुवार रात करीब 9 बजे एकसाथ छापा मारा। चूनाभट् ?टी स्थित ऑफिस पर 12 से 15 और दिलीप सूर्यवंशी के अरेरा कॉलोनी स्थित घर पर छह से सात अफसरों की टीम जांच कर रही है। घर और ऑफिस में कर्मचारियों तक को एंट्री नहीं है। कंपनी के पार्टनर समेत तीन लोगों से पूछताछ की जा रही है। खबर लिखे जाने तक 4 करोड़ रुपए बरामद किए गए हैं। बताया जाता है कि साउथ से उनके एक पार्टनर (एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर) को 20 लाख की रिश्वत देते हुए हिरासत में लिया गया है। छापे की सूचना के बाद कंपनी के शेयर करीब 6.5 फीसदी तक गिर गए हैं।

लोकल पुलिस और भोपाल सीबीआई टीम को भनक तक नहीं:- दिल्ली की टीम की कार्रवाई की

लोकल पुलिस और सीबीआई भोपाल के अफसरों को भनक तक नहीं लगी। सीबीआई सूत्रों का दावा है कि पूरा मामला रिश्वत से जुड़ा है। बताया जाता है कि दिलीप बिल्डकॉन के साउथ इंडिया में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (ह्र्रढ्ढ) के अफसर को 20 लाख रुपए की रिश्वत देते हुए पकड़ा गया था। उसके बाद ही दिल्ली की टीम ने भोपाल में शुक्रवार रात करीब 9 बजे छापे मारे।

कर्मचारियों को भी अंदर नहीं जाने दिया जा रहा

शुक्रवार रात करीब 9 बजे टीम ने घर और ऑफिस पर छापे मारे। इसके बाद से ही दोनों जगह पर सुरक्षा गार्ड तैनात कर दिए गए। घर और ऑफिस में कर्मचारियों तक को आने-जाने नहीं दिया जा रहा है। दोनों ही जगह 20 से ज्यादा अफसरों के होने की बात सामने आई है।

एनएचएआई के अफसर सहित 4 गिरफ्तार:- सीबीआई ने एनएचएआई बेंगलुरू के रीजनल ऑफिसर अकील अहमद, दिलीप बिल्डकॉन के रीजनल मैनेजर देवेंद्र जैन, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुनील कुमार वर्मा और दो कर्मचारी रत्नाकर सजिलाल व अनुज गुप्ता को गिरफ्तार किया है।

1993 में पहला बड़ा प्रोजेक्ट मिला था:- दिलीप बिल्डकॉन कंपनी को वर्ष 1993-94 में पहला बड़ा प्रोजेक्ट मिला था। यह चार करोड़ रुपए का था। इसके बाद कंपनी ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। फिर 20 करोड़ और 80 करोड़ के प्रोजेक्ट किए। 2007 के पहले 120 करोड़ रुपए तक के बड़े प्रोजेक्ट किए। वर्ष 2007 से 2010 के बीच सबसे बड़ा जंप मिला। कंपनी को अहमदाबाद-गोधरा का एक हजार करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट मिला। कंपनी का महाराष्ट्र, राजस्थान, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना जैसे राज्यों में कारोबार है।

ऐसे बनाई कंपनी और लिया काम:- दिलीप बिल्डकॉन का कंस्ट्रक्शन का काम है। यह कंपनी देशभर में हाईवे और रेल प्रोजेक्ट से जुड़े ठेके लेती है। भोपाल रेल मेट्रो का काम भी यही कंपनी कर रही है। दिलीप सूर्यवंशी ने 1988 में दिलीप बिल्डकॉन के नाम से कंपनी बनाई। पहले तो उन्होंने छोटे रिहायशी प्रोजेक्ट, सरकारी इमारतों और पेट्रोल पंपों का निर्माण किया। इसके बाद 1995 में 21 वर्षीय इंजीनियर देवेंद्र जैन को काम पर रखा। जैन अब उनकी कंपनी में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं।

ओमिक्रॉन से देश में दूसरी मौत

राजस्थान में 73 साल के बुजुर्ग ने दम तोड़ा, 7 दिन पहले कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई थी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

राजस्थान के उदयपुर में कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन से संक्रमित हुए 73 साल के बुजुर्ग ने शुक्रवार को दम तोड़ दिया। सम्भवतः यह देश में इस वैरिएंट से दूसरी मौत है। ष्टरू॥ह्र डॉ. दिनेश खराड़ी ने कहा कि मौत पोस्ट कोविड निमोनिया से हुई है। बुजुर्ग की कोई ट्रैवल हिस्ट्री नहीं थी। 21 और 22 दिसंबर को जांच में ये निगेटिव भी हो गए थे। 25 दिसंबर को उनकी रिपोर्ट में ओमिक्रॉन वैरिएंट मिलने की पुष्टि हुई थी। डॉ. दिनेश खराड़ी ने कहा कि उन्हें डायबिटीज और हायपरटेंशन और हाइपोथायरोडिज्म था। ऐसे में शरीर पर वायरस असर डालता है। साथ ही अगर डायबिटीज जैसी बीमारी हो तो रिस्क काफी बढ़ जाता है। राजस्थान में ओमिक्रॉन के अब तक 69 मरीज मिल चुके हैं। इनमें से 47 रिकवर हो चुके और 22 का इलाज जारी है। ओमिक्रॉन संक्रमितों के मामले में राजस्थान देश में 5वें नंबर पर है।

ओमिक्रॉन के अब तक 4 मामले

उदयपुर में ओमिक्रॉन के अब तक 4 मामले सामने आ चुके हैं। 27 दिसंबर को उदयपुर में ओमिक्रॉन का नया केस सामने आया था। इससे पहले 25 दिसंबर को तीन मामले उदयपुर में सामने आए थे। इसमें पति, पत्नी और एक 68 वर्षीय महिला ओमिक्रॉन पॉजिटिव पाई गई थी। जबकि 73 वर्षीय बुजुर्ग ओमिक्रॉन पॉजिटिव आने वाले चौथे व्यक्ति थे।

बुजुर्ग एमबी अस्पताल में कंपाउंडर रह चुका

उदयपुर एमबी अस्पताल के सुपरिटेंडेंट डॉ. आरएल सुमन ने बताया कि बुजुर्ग का इलाज हमारे ही अस्पताल में हो रहा था। 15 दिसंबर को उन्हें भर्ती किया गया था। पहले से उन्हें डायबिटीज, हाइपरटेंशन और हाइपोथायरोडिज्मथा। जिसके चलते वे हाई-रिस्क पर थे। इन्हें वही लक्षण थे, जो आमतौर पर कोरोना संक्रमित रोगियों को होते हैं। मृतक बुजुर्ग एमबी अस्पताल में ही कंपाउंडर रहे चुके थे।

महाराष्ट्र में 52 साल के व्यक्ति की जान गई

महाराष्ट्र में गुरुवार को 52 साल के व्यक्ति की मौत ओमिक्रॉन से हुई थी। वे दो हफ्ते पहले नाइजीरिया से लौटे थे। उनका कोविड टेस्ट भी करवाया गया था, लेकिन रिपोर्ट निगेटिव थी। 28 दिसंबर को उन्हें हार्ट अटैक आया। इसके बाद उन्हें नगर निगम के यशवंत राव चव्हाण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

अमेरिका-यूरोप में कोरोना विस्फोट

1 दिन में यूएस के 5.72 लाख लोग संक्रमित, फ्रांस में 2.06 लाख नए केस

ओमिक्रॉन वैरिएंट ने यूरोप और अमेरिका के हाल बेहाल कर दिए हैं। बीते 24 घंटे में अमेरिका में 5.72 लाख, फ्रांस में 2.06 लाख, ब्रिटेन में 1.89 लाख, स्पेन 1.61 लाख और इटली में 1.26 लाख रजिस्टर किए गए। यहां पर कोरोना की पांचवी लहर की वजह लाखों में केस दर्ज किए जा रहे हैं। हाल ही में WHO ने भी चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि डेल्टा और ओमिक्रॉन वैरिएंट की ऐसी सुनामी आएगी कि हेल्थ सिस्टम तबाही के कगार पर पहुंच जाएगा। पिछले हफ्ते में कोरोना के ग्लोबल केस में 11 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया है।

फ्रांस में डेल्टा को पछाड़ ओमिक्रॉन बना सबसे तेजी से फैलने वाला वैरिएंट:- फ्रांस में ओमिक्रॉन डेल्टा को पछाड़ कर सबसे संक्रामक वैरिएंट बन गया है। देश की पब्लिक हेल्थ ऐजेंसी ने इस बारे में जानकारी दी। ऐजेंसी के मुताबिक, पिछले कुछ वक्त में ओमिक्रॉन के मामलों में बहुत तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस हफ्ते दर्ज किए गए कुछ मामलों में से 62.4 फीसदी ओमिक्रॉन से जुड़े हुए हैं। जो पिछले हफ्ते के मुकाबले 15 फीसदी ज्यादा है।

स्पेन में 24 घंटे में मिले 1.61 लाख नए कोरोना केस, 74 की मौत:- स्पेन में बीते 24 घंटे में 1 लाख 61 हजार 688 नए कोरोना केस सामने आए हैं। वहीं पिछले 24 घंटों में इस वायरस से 74 लोगों की मौत हई है। देश में मरने वालों की संख्या 89 हजार 405 पहुंच गई है। स्पेन की नेशनल हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक, अब तक 62 लाख 94 हजार 745 लोग कोरोना संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। नए साल के जश्न पर कोरोना विस्फोट को रोकने के लिए सरकार की तरफ से गाइडलाइन भी जारी की गई है।

मप्र सरकार के ग्रहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने आज कुर्नूल में श्रीशैलम मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर भगवान शिव की आराधना की। इस अवसर पर भोलेनाथ से सभी देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य व सुख-समृद्धि की कामना की।

31 IPS अफसरों को मिला प्रमोशन

भोपाल पुलिस कमिश्नर मकरंद देऊस्कर सहित 3 अफसर बने एडीजी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

राज्य सरकार ने 2021 के अंतिम दिन 31 दिसंबर को 31 आईपीएस अफसरों को प्रमोशन दे दिया है। गृह विभाग ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। भोपाल पुलिस कमिश्नर मकरंद देऊस्कर सहित 3 सीनियर अफसरों को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (ष्ठत्र) हो गए हैं। गृह विभाग में सचिव डी श्रीनिवास वर्मा को प्रमोशन के बाद ग्वालियर जोन में पदस्थ कियाग गया है। जबकि डीआईजी से आईजी प्रमोट हुए गौरव राजपूत को गृह विभाग में सचिव पदस्थ किया गया है। भोपाल ग्रामीण के डीआईजी इरशाद वली पदोन्नत होकर आईजी बन गए हैं। इसी तरह मुरैना एसपी ललित शाक्यावार को प्रमोशन के बाद मुरैना में ही डीआईजी पदस्थ्य किया गया है। इसके साथ ही 2009 बैच के 24 अफसरों को सिलेक्शन ग्रेड मिला है।

कश्मीर में 3 और आतंकियों का सफाया

» 48 घंटे में जैश-ए-मोहम्मद के 9 आतंकी ढेर, पुलिस ने कहा- 2021 में 171 आतंकवादी मारे गए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज श्रीनगर

श्रीनगर के पंथा चौक में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच गुरुवार आधी रात को हुए मुठभेड़ में 3 आतंकी मारे गए हैं। ये सभी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े थे। मुठभेड़ में सुरक्षाबल के 4 जवान घायल हुए हैं। इनमें 3 पुलिसकर्मी और एक CRPF का जवान शामिल हैं। कश्मीर घाटी में पिछले 48 घंटे के भीतर सुरक्षा बलों ने जैश के 9 आतंकियों का सफाया किया है। IGP कश्मीर विजय कुमार के मुताबिक, पंथा चौक इलाके मारे गए एक आतंकी की पहचान जैश-ए-मोहम्मद के सुहैल अहमद के तौर पर हुई है। 13 दिसंबर को जेवान इलाके में एक पुलिस बस पर हमला हुआ था। यह आतंकी भी उस हमले में शामिल था। बस हमले में शामिल सभी आतंकियों को मारा जा चुका है। ढ्ढत्रक्क कुमार ने बताया कि साल 2021 में 171 आतंकवादी मारे गए हैं। इनमें 19 पाकिस्तानी आतंकवादी और 152 स्थानीय आतंकवादी शामिल हैं। पिछले साल 37 स्थानीय लोगों की जान गई थी, जबकि इस साल 34 स्थानीय लोगों की जान गई है।

दिसंबर में कश्मीर में 24 आतंकी मारे गए

मारे गए आतंकियों में 5 पाकिस्तानी

कश्मीर में आतंकियों की संख्या 200 से कम

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

आईटीडीसी

Classifieds

वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

एयरपोर्ट रोड पंचवटी कॉलोनी में नवनिर्मित 2 BHK फ्लैट बेचना है, कवर्ड केम्पस में सेपरेट पार्किंग, लिफ्ट, फाल- सीलिंग, मोड्यूलर किचिन, 24घंटे पानी, सर्वसुविधायुक्त 9827062212, 8982702122

फ्लैट बेचना है 3 BHK,1856 वर्गफीट थर्ड फ्लोर, गार्डन/ स्विमिंगपुल, फेसिंग कोरलवुड की प्राइम लोकेशन मेन होशंगाबाद रोड पर कीमत 60 लाख संपर्क 9630058868

बेचना है माकन 1500 वर्गफीट बना, पत्रकार कॉलोनी में, कर पार्किंग सुविधा, लिंक रोड के पीछे, रीजनेबल रेट, संपर्क करे- 9098743006, 9300718467

For sale 1200/2100 Sqft Commercial Plots on 200ft Rode & 80ft @ Bagmugaliya Near Aashima mall & 968/1452 sqft @ Misrod Phase-2, BDA. Chugh Syndicate Property Pvt Ltd- 7000122016, 9425666664

बेचना है 22600 वर्गफीट प्लाट कमर्शियल मैन 80 फिट रोड बागमुगलिया, आशिमा मॉल के पास डायवर्सन बी.डी.ए, एन.ओ.सी. सहित मात्र 2000 रुपये वर्गफुट संपर्क 8109337747, 9425377426

वगफीट प्लाट कमर्शियल मैन 80 फिट रोड बागमुगलिया, आशिमा मॉल के पास डायवर्सन बी.डी.ए, एन.ओ.सी. सहित मात्र 2000 रुपये वर्गफुट संपर्क 8109337747, 9425377426

बेचना है अरविन्द विहार बागमुगलिया में 2400 sqft पर बना शानदार बंगला शीघ्र बेचना है संपर्क करे- 9993176488, 9826039606

बेचना है कर्मशियल परमिशन स्पेस 2400 पर 8500 वर्गफुट बना, राजीव गाँधी नगर , अयोध्या बाइपास रोड भोपाल , पार्क फेसिंग हॉस्पिटल/ गेस्टहाउस हेतु उपयुक्त 6264244558,8269287852

For sale 968/1452/4305 Sqft Plots at Misrod Phase 1-2 3 BHK Flat 1417 Sqft For Sale at Coral Woods Hoshangabad road. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. – 7000122016, 9425666664

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

किराये से देना है फर्स्ट फ्लोर पर नवनिर्मित फ्लैट 2 बेडरूम, 1 हॉल, किचिन, 2 बालकनी कवर्ड केम्पस लाइफस्टाइल ब्लू, आकृति ग्रीन के सामने, सलैया संपर्क - 9926453501, किराया - 7500/-प्रति महा एवं प्रति महा 1260/- सोसाइटी मेंटेनेस

Luxury 3 BHK Singlex fully furnished in Trilanga colony Rent 23000/- Contact- 8962643902.

37 वैशाली नगर कोटरा भोपाल का प्रथम तल, तीन कमरे, हॉल किराये से देना है किराया 14000 शर्मा लॉ चेंबर पुरानी विधानसभा संपर्क – 7000035422

For Rent 2bhk fully furnished in Gulmohar Colony Rent 15000/- Contact @ 8962643902

E-3/258 अरेरा कोलोनी में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK, 1BHK अलग–अलग फेमिली हेतु किराये से देना है संपर्क:- 7000735468, 9425601374(कावलकर)

किराये से -3 BHK फ्लेट Lakeview प्राइम लोकेशन Kohefiza में लिफ्ट, पानी, पार्किंग, किचिन, सर्व सुविधालयुक्त, 8817437959

४BHK platinum Plaza माता मंदिर, Orange 64, 5th फ्लोट, लिफ्ट सुविधा बैंक या शासकीय कर्मचारी की प्राथमिक, संपर्क करे 9893303141

किराये से देना है प्रथम मंजिल पर होल करीब 2500 वर्गफीट सराफा बाजार बेरागढ़ में जिम, कोचिंग हेतु उपुक्त 9303132326, 7374498931

MAHADEV PROPERTY CONSULTANT:WE Require 1200/2100 sqft Commerical and 1000/1200/1500/2100sq ft Residential Plot in Danishkunj and 1000/1500/2100sqft Residential Plot in danishhills, 9425008779

१st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

ITDC आवश्यकता

आवश्यकता है रियल स्टेट कंपनी कोलार में अनुभवी स्टाफ की सेल्स मैनेजर (15k) एग्जीक्यूटिव (10k) सेलरी + इंसेंटिव कार्यालय M.H. इन्फ्रा चूना भट्टी भोपाल मो. 9302555495, 9826533189

Job Openings in waaree Energies Limited, 8140106217, 8369888296 www.waaree.com

Required Sales staff (female) store manager (male) cashier (male) for imitation jewellery store at newmarket. Age minimum25 yrs. Send your resume WhatsApp at 9343529570.

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC आवश्यकता

Required Marketing Executives for Hyderabad based MFG organization. Willing to travel MP, UP., Chhattisgarh, Orissa, West Bengal & North India. Handsome Salary+ Attractive Incentives. Please mail CV to: Info@premierindustries.net

Required School Development Manager (Sales) on Fixed & Incentive basis. Location– Guna, Rajgharh, Sehore, Vidisha & Bhopal. 8850388123

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क DK3/1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रु पेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN
60
SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

VACANCIES

खबर की खबर

कब लगेगा बोरवेल हादसों पर विराम?

मध्य प्रदेश में गहरे बोरवेल में गिरी डेढ़ वर्षीया बच्ची को 10 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस तथा राज्य आपदा आपातकालीन रिजर्व बल (एसडीईआरएफ) ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना 16 दिसंबर की है, जब भोपाल से करीब 350 किलोमीटर दूर छतरपुर जिले के नौगांव थाना क्षेत्र में राकेश कुशवाहा की बेटी दिव्यांशी खेत में खेलते हुए 80 फुट गहरे बोरवेल में गिर गई। बोरवेल में बच्ची के गिर जाने पर जोर-जोर से रोती उसकी मां की आवाज सुनकर जब आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो किसी ने स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी। बच्ची 80 फुट गहरे बोरवेल में करीब 15 फीट की गहराई पर फंसी हुई थी, जिसे बचाव दल द्वारा ऑक्सीजन सपोर्ट दिया गया और बच्ची की हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए बोरवेल में सीसीटीवी कैमरे डाले गए। आखिरकार बचाव टीमों द्वारा 17 दिसंबर की सुबह करीब एक बजे बच्ची को बोरवेल से सही-सलामत निकाला गया।

भोपाल की दिव्यांशी को तो बचाव दल ने कड़ी मशक्कत के बाद बचा लिया लेकिन बोरवेल में गिरने वाला हर बच्चा दिव्यांशी जितना भाग्यशाली नहीं होता। हर साल बोरवेल में बच्चों के गिरने के अबतक कई मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें से अधिकांश की बोरवेल के भीतर ही दम घुटकर मौत हो जाती है। चिंता की बात यह है कि ऐसे हादसों पर पूर्णविराम लगाने के लिए कहीं कोई कारगर प्रयास होता नहीं दिखता। बोरवेल हादसे पिछले कुछ वर्षों से जागरूकता के बावजूद निरन्तर सामने आ रहे हैं किन्तु इनसे सबक सीखने को कोई तैयार नहीं दिखता। ऐसे मामलों में अक्सर सेना-एनडीआरएफ की बड़ी विफलताओं को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं कि अंतरिक्ष तक में अपनी धाक जमाने में सफल हो रहे भारत के पास चीन तथा कुछ अन्य देशों जैसी वो स्वचालित तकनीक क्यों नहीं है, जिनका इस्तेमाल कर ऐसे मामलों में बच्चों को अपेक्षाकृत काफी जल्दी बोरवेल से बाहर निकालने में मदद मिल सके।

सवाल यह है कि आखिर बार-बार ऐसे दर्दनाक हादसों के बावजूद देश में बोरवेल और ट्यूबवैल के गड्ढे कब तक इसी प्रकार खुले छोड़े जाते रहेंगे। कब तब मासूम जानें इनमें फंसकर इसी तरह दम तोड़ती रहेंगी। कोई भी बड़ा हादसा होने के बाद प्रशासन द्वारा बोरवेल खुला छोड़ने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्ती की बातें तो दोहरायी जाती हैं लेकिन बार-बार सामने आते ऐसे हादसे यह बताने के लिए पर्याप्त हैं कि सख्ती की ये सब बातें कोई घटना सामने आने पर लोगों के उपजे आक्रोश के शांत होने तक ही बरकरार रहती हैं। ऐसे हादसों के लिए बोरवेल खुला छोड़ने वाले खेत मालिक के साथ-साथ ग्राम पंचायत और स्थानीय प्रशासन भी बराबर के दोषी होते हैं।

मध्य प्रदेश के देवास जिले में खातेगांव कस्बे के उमरिया गांव में हीरालाल नामक व्यक्ति को अपने खेत में सूखा बोरवेल खुला छोड़ देने के अपराध में जिला सत्र न्यायालय ने करीब दो साल पहले दो वर्ष सश्रम कारावास तथा 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि लोग बोरवेल कराकर उन्हें इस प्रकार खुला छोड़ देते हैं, जिससे उनमें बच्चों के गिरने की घटनाएं हो जाती हैं और समाज में बढ़ रही लापरवाही के ऐसे मामलों में सजा देने से ही लोगों को सबक मिल सकेगा। अगर मध्य प्रदेश में जिला अदालत के उसी फैसले की तरह ऐसे सभी मामलों में त्वरित न्याय प्रक्रिया के जरिये दोषियों को कड़ी सजा मिले, तभी लोग खुले बोरवेल बंद करने को लेकर सक्रिय होंगे अन्यथा बोरवेल इसी प्रकार मासूमों की जिंदगी छीनते रहेंगे और हम मासूम मौतों पर घड़ियाली आंसू बहाने तक ही अपनी भूमिका का निर्वहन करते रहेंगे।

अब तक अनेक मासूम जिंदगियां बोरवेल में समाकर जिंदगी की जंग हार चुकी हैं किन्तु विडंबना है कि सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों के बावजूद कभी ऐसे प्रयास नहीं किए गए, जिससे ऐसे मामलों पर अंकुश लग सके। देश में प्रति वर्ष औसतन 50 बच्चे बेकार पड़े खुले बोरवेलों में गिर जाते हैं, जिनमें से बहुत से बच्चे इन्हीं बोरवेलों में जिंदगी की अंतिम सांस लेते हैं। ऐसे हादसे हर बार किसी परिवार को जीवन भर का असहनीय दुख देने के साथ-साथ समाज को भी बुरी तरह झकझोर जाते हैं।

भूगर्भ जल विभाग के अनुमान के अनुसार देशभर में करीब 2.7 करोड़ बोरवेल हैं लेकिन सक्रिय बोरवेलों की संख्या, अनुपयोगी बोरवेलों की संख्या तथा उनके मालिक का राष्ट्रीय स्तर का कोई डाटाबेस मौजूद नहीं है। बोरवेलों में बच्चों के गिरने की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने 2010 में ऐसे हादसों पर संज्ञान लेते हुए कुछ दिशा-निर्देश जारी किए थे। 2013 में कई दिशा-निर्देशों में सुधार करते हुए नए दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, जिनके अनुसार गांवों में बोरवेल की खुदाई सरपंच तथा कृषि विभाग के अधिकारियों की निगरानी में करानी अनिवार्य है जबकि शहरों में यह कार्य ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग तथा नगर निगम इंजीनियर की देखरेख में होना जरूरी है।

अदालत के निर्देशानुसार बोरवेल खुदवाने के कम से कम 15 दिन पहले डीएम, ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम को सूचना देना अनिवार्य है। बोरवेल की खुदाई से पहले उस जगह पर चेतावनी बोर्ड लगाया जाना और उसके खतरे के बारे में लोगों को सचेत किया जाना आवश्यक है। इसके अलावा ऐसी जगह को कंटीले तारों से घेरने और उसके आसपास कंक्रीट की दीवार खड़ी करने के साथ गड्ढ़ों के मुंह को लोहे के ढक्कन से ढंकना भी अनिवार्य है लेकिन इन दिशा-निर्देशों का कहीं पालन होता नहीं दिखता।

न्यूज ब्रीफ

टीके या संक्रमण से 9 माह बचाव

नई दिल्ली। प्राकृतिक संक्रमण और टीकाकरण के बाद 9 महीने से भी अधिक समय तक शरीर में सार्स-कोव-2 के खिलाफ रोग प्रतिरोधक क्षमता रहती है। देश की शीर्ष चिकित्सा अनुसंधान संस्था ने आज यह जानकारी दी। इसी आधार पर अतिरिक्त या बूस्टर खुराक देने की नीति तय होने की संभावना है। केंद्र पहले ही संकेत दे चुका है कि स्वास्थ्यकर्मी, अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी और पहले से किसी बीमारी वाले वरिष्ठ नागरिक टीके की दूसरी खुराक के 9 महीने बाद तीसरी खुराक लगवा सकते हैं। टीकाकरण पर नीतिगत फैसला इसलिए अहम है क्योंकि देश में ओमीक्रोन के मामले बढऩे लगे हैं। अब तक ओमीक्रोन के 961 मामले आए हैं, जिनमें से 320 लोग ठीक हो चुके हैं। साप्ताहिक कोविड-19 मामलों और संक्रमण दर के आधार पर महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, दिल्ली, कर्नाटक तथा गुजरात में हालात चिंताजनक हैं। इस समय देश के 8 जिलों में साप्ताहिक संक्रमण दर 10 फीसदी से अधिक है। देश में कोविड-19 के प्रसार की संकेतक आर नॉट वैल्यू 1.22 है, इसलिए मामले भी बढ़ रहे हैं। देश में करीब 49 दिन बाद एक दिन में कोविड-19 के 13,000 से अधिक नए मामले आए हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महासचिव बलराम भार्गव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वायरस से तीन तरह की रोग प्रतिरोधक क्षमता पैदा होती है, जो एंटीबॉडी मीडिएटेड, सेल मीडिएटेड और इम्यूनोलॉजिकल मेमरी हैं। केवल रोग प्रतिरोधक टाइटर को मापने से पूरी सुरक्षा का पता नहीं चलता है। संक्रमण के बाद रोग प्रतिरोधक क्षमता करीब 9 महीने बनी रहती है। भार्गव ने वैश्विक संदर्भों का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिका के अध्ययन दर्शाते हैं कि सार्स-कोव-2 के प्राकृतिक संक्रमण के बाद रोग प्रतिरोधक मेमरी आठ महीने से अधिक बनी रही। इसी तरह चीन के एक अध्ययन में कहा गया है कि संक्रमण के बाद रोग प्रतिरोधक क्षमता और कोशिका प्रतिक्रिया करीब 9 महीने तक बनी रहती है। अमेरिका में अध्ययनों में पाया गया है कि ज्यादातर मरीजों में संक्रमण के 13 महीने बाद भी सार्स-कोव-2 रोग प्रतिरोधक क्षमता बरकरार थी। इजरायल, ब्रिटेन, डेनमार्क, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और इटली के 10 अध्ययनों की समीक्षा से पता चलता है कि 10 महीनों के बाद दोबारा संक्रमण में 90 फीसदी से अधिक कमी आती है। उन्होंने कहा, इसलिए 8 से 10 महीने सुरक्षा की सामान्य अवधि है। हम मोटा अनुमान लेकर कह रहे हैं कि व्यक्ति करीब 9 महीने सुरक्षित रहता है।% भारत में 2020 और 2021 में संक्रमण होने वाले लोगों पर जिन अध्ययनों में नजर रखी गई, वे भी वैश्विक अध्ययनों के दावों की पुष्टि करते हैं। आईसीएमआर, पुणे द्वारा 284 लोगों पर किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि संक्रमण के बाद 8 महीने से अधिक समय तक संक्रमण को निष्प्रभावी बनाने वाली रोग प्रतिरोधक क्षमता बनी रहती है।

सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी 2021

भारत की लगभग 7.3 फीसदी आबादी के पास क्रिप्टो एसेट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

क्रिप्टो, क्रिप्टो, क्रिप्टो! हर कोई क्रिप्टो के बारे में बातें कर रहा है; इन दिनों यह चर्चा का सबसे लोकप्रिय विषय बना हुआ है। जहां भारत की लगभग 7.3 फीसदी आबादी के पास कुछ न कुछ मात्रा में क्रिप्टो एसेट है, वहां ऐसे बहुत सारे लोग हैं जो अभी भी डिजिटल करेंसी के पूरे कॉन्सेप्ट के बारे में आशंकित हैं। अधिकांश क्रिप्टो करेंसियां ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी से संचालित होती हैं। ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी में ब्लॉक्स एक आधार के रूप में काम करते हैं क्योंकि लेनदेन को इन ब्लॉक्स के भीतर रिकॉर्ड और टाइम-स्टैम्प (समयबद्ध) किया जाता है। हर ब्लॉक एक दूसरे से जुड़ा रहता है, और हैकर्स को आपके लेनदेन के डिजिटल लेजर में छेड़छाड़ करने के लिए, उन्हें एक-एक ब्लॉक को उलटना-पलटना पड़ेगा। यानी दूसरे शब्दों में कहें तो ऐसी कोशिश करने का भी कोई अर्थ नहीं है क्योंकि यह एक असंभव कार्य है।ब्लॉक चेन का तीन मुख्य प्रकार की क्रिप्टोकरेंसियों के साथ जुड़ी हुई हैं। पहली ब्लॉकचेन बिटकॉइन थी, इसके बाद ऑल्टकॉइन्स और टोकन्स आईं।

बिटकॉइन

मजेदार तथ्य- बिटकॉइन के खोजकर्ता को लेकर अभी तक एक रहस्य ही बना हुआ है। इसका नाम सातोशी

नाकामोतो है। जबकि कुछ लोगों का कहना है कि यह नाम बस एक छद्म व्यक्ति है और कुछ लोग मानते हैं कि यह कुछ लोगों का समूह है जिन्होंने बिटकॉइन की खोज की है। बिटॉइन्स को जनवरी 2009 में एक डिजिटल करेंसी के रूप में लॉन्च किया गया था। यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक जुड़ी हुई प्रणाली है जहां पर प्रत्येक लेनदेन दो लोगों के बीच में होता है। ब्लोच्कैन टेक्नोलॉजी को पहली बार बिटकॉइन लेनदेनों में शुरू किया गया था जिसने यूजर्स को बगैर किसी तीसरे पक्ष के माध्यम से पैसे का लेनदेन करने में मदद की। इसलिए आपको अपनी पहचान का खुलासा करने की जरूरत नहीं है और फिर भी अनाधिकृत पहुंच से सुरक्षित है।

अगली, ऑल्टकॉइन

वर्तमान में 1000 से ज्यादा ऑल्टकॉइन सर्कुलेशन में हैं। का सबसे बेहतरीन उदाहरण एथेरियम और कार्डानो हैं। हालांकी बिटकॉइन सबसे जानी-पहचानी क्रिप्टो करेंसी है, एथेरियम और कार्डानो ने पिछले कुछ समय से सर्वाधिक ध्यान आकर्षित किया है। इन प्लेटफार्म्स को डेवलपर्स को ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी का उपयोग करके एप्स बनाने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया था। लेकिन सबसे मुख्य बात यह है कि सभी क्रिप्टोकरेंसियां महज बिटकॉइन की कॉपी नहीं हैं; बिटकॉइन के जो भी विकल्प हैं वे अपने मूल्य और उद्देश्यों में उल्लेखनीयरूप से अलग हैं।

टोकन्स

दूसरी कई क्रिप्टोकरेंसियों के विपरीत, क्रिप्टो टोकन्स एसेट-आधारित होते हैं और उनकी ब्लॉकचेन में स्थित होते हैं। क्रिप्टो टोकन्स क्राउड फंडिंग के माध्यम से धन जुटाने के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। टोकन का इस्तेमाल धन को स्टोर करने, निवेश करने, या चीज़ों को खरीदने में किया जा सकता है। पेमेंट टोकन्स का इस्तेमाल मूल्य को स्टोर करने में किया जाता है जबकि यूटिलिटी टोकन्स का इस्तेमाल किसी ब्लॉकचेन- आधारित उत्पाद या सेवा में पहुंच प्राप्त करने के लिए किया जाता है, वहीं सिक्योरिटी टोकन्स अपने धारक को स्वामित्व का अधिकार प्रदान करते हैं; यहां पर प्रत्येक टोकन एक विशिष्ट एसेट का प्रतिनिधित्व करता है जैसे कि डिजिटल इमेज यावीडियो और ऑडियो। लाइटकॉइन और डैश, पेमेंट टोकन्स का उदाहरण हैं जबकि बेसिक अटेंशन टोकन्स और ब्रिकब्लॉक का उपयोग यूटिलिटी टोकन्स के रूप में किया जाता है। CyberPunks (सायबरपंक्स) और Nyan cats (न्यान कैट्स) लोकप्रिय एनएफटी हैं वहीं MemePad (मीम पैड) और TrustPad (ट्रस्ट पैड) कुछ सिक्योरिटी टोकन्स में शामिल हैं।

अन्य प्रकार की क्रिप्टोकरेंसियों में शामिल हैं :

डिजिटल गोल्ड - जमीन से निकलने वाले सोने की तरह है लेकिन सीमित सप्लाई और डिजिटल स्वरूप में। इंटरनेट मनी - इंटरनेट पर खरीदारी के लिए उपयोग की जाती है। रिपल एक बेहतरीन उदाहरण है। स्टेबल कॉइन - इस क्रिप्टोकरेंसी को सरकारी करेंसी का समर्थन प्राप्त है। टीथर की तरह जिसका मूल्य डॉलर के अनुपात में तय है।

रेस्तरांओं में नहीं दिखेगी चकाचौंध

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इस बार नव वर्ष की पूर्व संध्या पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम फीके रह सकते हैं। देश में कोविड-19 मामलों में एक बार फिर तेजी और ओमीक्रोन के मामले सामने आने के बाद देश के विभिन्न राज्यों में रात्रि कर्फ्यू एवं समारोह आदि पर प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। स्थानीय स्तर पर पाबंदी को ध्यान में रखते हुए कैफे और क्लबों ने समारोह रद्द कर दिए हैं या इन्हें छोटे स्तर पर मनाने का निर्णय लिया है। दिल्ली और उत्तर प्रदेश में रात्रि कर्फ्यू लगा दिया गया है। चेन्नई में आपातकालीन सेवाओं में लगे वाहनों को छोड़कर शुक्रवार मध्य रात्रि से लेकर शनिवार प्रात: 5 बजे तक सभी वाहनों के आवागमन पर रोक लगा दी गई है। मुंबई में रेस्तरांओं और बार को मध्य रात्रि तक 50 प्रतिशत क्षमता के साथ परिचालन करने की अनुमति दी है मगर 31 दिसंबर को होने वाले सभी आयोजन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। कोविड-19 से संबंधित दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निगम एवं पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हैं। मुंबई में रेस्तरांओं और होटलों को अपने परिसरों के सीसीटीवी फुटेज स्थानीय वार्ड पुलिस को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। इस बारे में भारतीय राष्ट्रीय रेस्तरां संघ के मुंबई चैप्टर के प्रमुख प्रणव रूंगटा कहते हैं, इस बार 31 दिसंबर को कारोबार फीका रहने वाला है। कोविड से जुड़ी पाबंदियों को देखते हुए बुकिंग रद्द हो रही हैं। सामान्य हालात में भी 31 दिसंबर को घरों तक खाना पहुंचाने के ऑर्डर अधिक आते हैं और इसकी मांग फिर अधिक होगी।

आरबीआई ने बढ़ाया समय : मार्च 2022 तक अकाउंट में केवाईसी अपडेट कर सकेंगे, 31 दिसंबर थी अंतिम तारीख

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंक अकाउंट में केवाईसी करने का समय बढ़ा दिया है। अब इसे मार्च 2022 तक किया जा सकेगा। अभी तक इसकी अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2021 थी। आरबीआई ने गुरुवार को इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी किया। कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के बढ़ते मामले की वजह से यह फैसला लिया गया है। इसने कहा कि कोविड-19 के नए वेरिएंट की अनिश्चितता को देखते हुए बैंक अकाउंट में केवाईसी की समय सीमा को 31 मार्च तक बढ़ा दिया गया है।

मई में बढ़ाई गई थी तारीख:- इससे पहले 5 मई 2021 को सेंट्रल बैंक ने एक नोटिफिकेशन जारी किया था। इसने कहा था कि कोरोनावायरस को देखते हुए अपने

ग्राहक को जानिए अपडेशन की समय सीमा को बढ़ाया जा रहा है। इसके तहत अगर किसी अकाउंट में केवाईसी पूरा नहीं है तो उसमें नकदी निकासी, जमा और अन्य कुछ मामलों में प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता है।

पैन, आधार कार्ड की जरूरत:- केवाईसी के तहत ग्राहकों से उसके पैन कार्ड, पता जैसे आधार, पासपोर्ट आदि को अपडेट कराने के लिए बैंक कहता है। इसके साथ ही हालिया फोटोग्राफ और अन्य जानकारी भी मांगी जाती है। मई में जारी नोटिफिकेशन के बाद कई सारे बैंकों ने वीडियो केवाईसी भी शुरू कर दी थी। इसमें SBI, इंडसइंड बैंक जैसे बैंक शामिल थे।

मई में गवर्नर ने कहा था, दिसंबर तक मिलेगा समय

मई में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि जो लोग अपने बैंक खाते में अपनी जानकारी अपडेट करना चाहते हैं, वे इसके लिए दिसंबर तक का समय ले सकते हैं। इसके लिए बैंक कोई कार्रवाई नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि देश के तमाम हिस्सों में कोविड से संबंधित प्रतिबंधों को देखते हुए बैंकों को यह सलाह दी जाती है कि समय-समय पर जो भी केवाईसी अपडेट की प्रक्रिया है, या कोई पेंडिंग केवाईसी है, उस पर ग्राहक के अकाउंट को चलाने में कोई कार्रवाई न करें। हां, अगर किसी रेगुलेटर या एंफोर्समेंट एजेंसी या कानूनी वजह से उस खाते पर प्रतिबंध है, तो यह लागू रहेगा।

बैंक शाखाओं में ही जाना होता है

काफी सारे बैंक खाताधारकों के लिए यह मुश्किल है कि वे अपने केवाईसी डिटेल्स को अपडेट कराएं। कुछ बैंक ऐसे हैं जो केवाईसी अपडेट के लिए बैंक की शाखाओं में ही ग्राहक को बुलाते हैं। उनके पास डिजिटल तरीके से केवाईसी अपडेट की व्यवस्था नहीं है। हालांकि कुछ बैंकों में यह है। नियम के मुताबिक, अगर आपकी केवाईसी अपडेट नहीं है तो आपका खाता बैंक बंद कर देता है। मई के नोटिफिकेशन के मुताबिक, राहत के रूप में तो कुछ बैंकों में ईमेल से केवाईसी संबंधित कागजातों को भेज सकते हैं। साथ ही पोस्ट के जरिए भी दे सकते हैं।

ओला स्कूटर से कुछ ग्राहक परेशान : ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर की क्वालिटी को लेकर यूजर कर रहे शिकायत

कंपनी की तरफ से आई सफाई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कस्टमर को ओला स्कूटर्स की बुकिंग के बाद डिलीवरी के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा है। अब जहां कुछ कस्टमर्स को इलेक्ट्रिक स्कूटर डिलीवर किए जा रहे हैं। कुछ यूजर्स इनकी क्वालिटी से नाखुश नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर कस्टमर्स ने ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर की मशीनरी, मेकिंग क्वालिटी और रेंज को लेकर शिकायत की है। ओला इलेक्ट्रिक ने 15 अगस्त, 2021 को अपने S1 और S1 प्रो इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च किए थे और कंपनी ने 15 दिसंबर, 2021 को घोषणा की कि उसने प्रोडक्शन में आई देरी के बाद अपने कस्टमर्स को इलेक्ट्रिक स्कूटर की डिलीवरी शुरू कर दी है। अब, ओला इलेक्ट्रिक का कहना है कि कंपनी ने दिसंबर में लगभग 4,000 स्कूटर डिलीवर किए हैं।

शिकायत मिलने पर ओला ने दी सफाई

नई रिपोर्ट्स में ओला इलेक्ट्रिक के चीफ बिजनेस ऑफिसर अरुण सिरदेशमुख के हवाले से कहा गया है कि लगभग 4,000 ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर कई शहरों में कस्टमर्स को डिलीवर किए गए हैं और कस्टमर्स द्वारा उठाए गए ज्यादातर मुद्दे ट्रांजिट के दौरान हुए हैं, जिन्हें जल्दी से ठीक किया गया है। ओला इलेक्ट्रिक की ओर से ये क्लैरीफिकेशन, कई कस्टमर्स द्वारा सोशल मीडिया पर क्वालिटीऔर मशीनरी दिक्कतों पर और ओला की तरफ दावा की जाने वाली रेंज पर निराशा जाहिर करने के बाद आया है।

ग्लोबल चिप की कमी और सप्लाई चेन से हो रही दिक्कत:- हाल की रिपोर्ट्स ने यह भी संकेत दिया कि ओला इलेक्ट्रिक स्कूटरों के प्रोडक्शन में फिर से देरी हुई है और कई कस्टमर्स के लिए जिन्होंने पहले ही बुकिंग अमाउंट पे कर कर दिया था, उनके लिए भी डिलीवरी में देरी होने की संभावना है। अपनी ओर से, ओला इलेक्ट्रिक का कहना है कि कंपनी ग्लोबल चिप की कमी और सप्लाई चेन की दिक्कतों के कारण प्रोडक्शन के मुद्दों का सामना कर रही है। ओला इलेक्ट्रिक का कहना है कि प्रोडक्शन में देरी से 90,000 से ज्यादा ऑर्डर मिलना मुश्किल होगा।

ई-उत्पादों के आयात पर शुल्क का वक्त

हालांकि विश्व व्यापार संगठन का 12वां मंत्री स्तरीय सम्मेलन कोरोना के बढ़ते प्रकोप के चलते अभी स्थगित हो गया है, लेकिन यह स्पष्ट है कि भविष्य में आयोजित इस सम्मेलन में हमेशा की तरह बड़े औद्योगिक एवं विकसित देश ऐसे प्रस्तावों को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे, जो उनकी कंपनियों के लिए तो हितकारी होंगे, लेकिन भारत एवं अन्य विकासशील देशों के गरीब लोगों के लिए अहितकारी होंगे। आठ नवंबर को जारी दस्तावेज के अनुसार, प्रस्ताव यह है कि गैरकानूनी, गैरसूचित और गैरविनियमित मछली पकड़ने के लिए दी जाने वाली सब्सिडी समाप्त कर दी जाए। यानी सीधे-सीधे कोशिश यह है कि हमारे छोटे मछुआरे, जो अपने जीवनयापन के लिए छोटे स्तर पर मछली पकड़ने का काम करते हैं, उन्हें सरकार कोई सहायता न दे पाए। ऐसे कई उदाहरण हैं, जिनसे स्पष्ट है कि पूर्व में किए गए समझौते गैरबराबरी के समझौते थे, जिनमें विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों के विकास को बाधित करने के प्रावधान किए गए थे। जब विकसित देश व्यापार वार्ताओं को एक युद्ध के रूप में देखते हैं, तो भारत को भी अपने हितों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए व्यापार वार्ताओं का सही उपयोग करना होगा। इस संदर्भ में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर टैरिफ स्थगन के अस्थायी प्रावधान को समाप्त करने हेतु प्रयास करने का समय आ गया है। गौरतलब है कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के प्रारंभ के समय इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में व्यापार बहुत सीमित था। ऐसे में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के व्यापार पर अस्थायी रूप से टैरिफ को स्थगित रखा गया और डब्ल्यूटीओ के दूसरे मंत्री स्तरीय सम्मेलन में यह निर्णय हुआ कि अगले मंत्री स्तरीय सम्मेलन तक ई-उत्पादों पर शुल्क को स्थगित रखा जाए। विकसित देशों ने तरह-तरह की बहानेबाजी के जरिये ई-उत्पादों के आयात पर टैरिफ को रोके रखा। आज स्थिति यह है कि अकेले भारत द्वारा लगभग 30 अरब डॉलर से भी ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का आयात हो रहा है। यानी यदि 10 प्रतिशत भी टैरिफ लगाया जाए, तो सरकार को तीन अरब डॉलर से ज्यादा का राजस्व प्राप्त होगा। भारत जैसे देश में हमारे स्टार्ट-अप और सॉफ्टवेयर कंपनियां विभिन्न ई-उत्पाद बनाने में सक्षम हैं, लेकिन जब बिना टैरिफ, बिना रोकटोक ऐसे उत्पाद आयात किए जाते हैं, तो देश में उनके उत्पादन के लिए कोई प्रोत्साहन ही नहीं रहता। सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि चीन भी इसका काफी फायदा उठा रहा है। आज उत्पादन के बदलते ढंग के चलते किसी वस्तु को विदेश से मंगाने के लिए उसे भौतिक आयात के बजाय थ्री डी प्रिंटिंग के जरिये भी बनाया जा सकता है। ऐसे में भौतिक वस्तुओं के आयात पर लगने वाले आयात शुल्क से भी हाथ धोना पड़ सकता है। यानी मामला केवल राजस्व हानि का ही नहीं है, बल्कि भविष्य में भौतिक वस्तुओं पर मिलने वाले आयात शुल्कों की संभावित हानि का भी है। भारत और दक्षिण अफ्रीका इस मामले में पहले से ही काफी सतर्क हैं और विश्व व्यापार संगठन परिषद को दिए गए प्रस्ताव में उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर टैरिफ स्थगन पर प्रश्नचिह्न लगाया है और कहा है कि टैरिफ स्थगन के प्रस्ताव पर पुनर्विचार करने की जरूरत है, क्योंकि 1998 के प्रस्ताव में स्थगन के दायरे के बारे में किसी मतैक्य के साथ निर्णय नहीं हुआ था, और तब यह भी स्पष्ट नहीं था कि डिजिटल क्रांति इस तेजी से फैलेगी। आज चौथी औद्योगिक क्रांति का समय है, जो डिजिटल औद्योगिकीकरण के माध्यम से आएगी। हमें इस अवसर को खोना नहीं है। जब विकसित देश अपनी कंपनियों और अपनी अर्थव्यवस्था के लिए किसी भी हद तक जाकर भारत जैसे देशों पर दबाव बनाते हैं, तो भारत को भी अन्य विकासशील देशों को साथ लेकर हमारे औद्योगिकीकरण को

भारत और दक्षिण अफ्रीका इस मामले में पहले से ही काफी सतर्क हैं और विश्व व्यापार संगठन परिषद को दिए गए प्रस्ताव में उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर टैरिफ स्थगन पर प्रश्नचिह्न लगाया है और कहा है कि टैरिफ स्थगन के प्रस्ताव पर पुनर्विचार करने की जरूरत है, क्योंकि 1998 के प्रस्ताव में स्थगन के दायरे के बारे में किसी मतैक्य के साथ निर्णय नहीं हुआ था, और तब यह भी स्पष्ट नहीं था कि डिजिटल क्रांति इस तेजी से फैलेगी।

संपादकीय

2022 : चुनौतियां और संभावनाएं

कोरोना से तबाही के इन दो वर्षों में, जहां देश की विकास दर बैठ गई है और आम जनता की आय में भारी गिरावट हुई है, देश की कुल आय में शीर्ष की 1 फीसदी आमदनी के हिस्से में और डालर अरबपतियों की संख्या में, तेजी से बढ़ोतरी होती रही है। और मौजूदा शासन के दो चहेते धनपति, पूरे एशिया के धनपति नंबर 1, धनपति नंबर 2 बन गए हैं! बहरहाल, इस घने अंधेरे के बावजूद, इसी बुनियादी नीतिगत झुकाव को %आपदा में अवसर% देखकर, आगे बढ़ाने की कोशिश में, मोदी सरकार द्वारा थोपे गए तीन किसानविरोधी तथा देशी-विदेशी कार्पोरेटपरस्त कानूनों के खिलाफ किसानों के साल भर चले ऐतिहासिक प्रतिरोध ने, 2022 में प्रवेश करते भारत के मेहनतकशों हाथों में रौशनी की मशाल थमा दी है। नये साल की दहलीज पर खड़ा भारत, अपने साथ क्या लेकर उस नये साल में जा रहा है, जो एक स्वतंत्र देश के रूप में उसके पचहत्तर वर्ष पूरे होने का वर्ष भी होगा। एक छोटी सी विडंबना, उस विरासत को बखूबी उजागर कर देती है, जो लेकर भारत, 2022 में जा रहा है। यह विडंबना इस तथ्य में निहित है कि नव-वर्ष के ठीक दो दिन पहले, सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में, बारह दिन पहले हरिद्वार में ही हुई तथाकथित धर्म संसद में, अल्पसंख्यकों के नरसंहार का और आतंकवादी तौर-तरीकों के इस्तेमाल का आह्वान करने के लिए, एफआईआर में नामजद शकुन पांडेय उर्फ अन्नपूर्णा मां, धर्मदास, यती नरसिम्हानंद आदि, हरिद्वार में पुलिस के आला अफसरों से एक बहुत ही खुशगवार मुलाकात करते दिखाई दे रहे थे। हिंदुत्व के ये %योद्धा%, हरिद्वार के मौलवियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने पहुंचे थे! वीडियो में शकुन पांडे के अपनी शिकायत की %निष्पक्ष जांच% की मांग करने पर, उनकी बात में सुधार करते हुए नरसिम्हानंद को यह कहते सुना जा सकता है कि निष्पक्ष क्यों, ये तो हमारे पक्ष वाले हैं!

असली विडंबना, ज्यादा से ज्यादा आतंकवादी स्वर अपनाते हिंदुत्ववादी भगवाधारी योद्धाओं के जवाबी एफआईआर दायर कराने के कानूनी दांव-पेंच का सहारा लेने में नहीं बल्कि मुसलमानों के नरसंहार तथा 20 लाख को मारने, तलवार से ज्यादा मारक हथियार जमा करने से लेकर, 1857 से भी भयंकर स्वतंत्रता युद्ध छेड़ने का आह्वान करने वालों के, इसे लेकर निश्चिंत होने में है कि उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करना तो दूर, पुलिस उनकी सरासर फर्जी शिकायत से खुश ही होगी। इससे पुलिस व शासन के लिए, उनके खिलाफ कुछ भी न करना और आसान जो हो जाएगा। अब जरा हिंदुत्ववादियों की इस आश्वस्ति को, इस तथ्य के साथ रखकर देखिए कि उत्तर प्रदेश के भाजपा के ही शासन की पुलिस, वर्ल्ड कप क्रिकेट मैच के दौरान, भारत से मुकाबले के समय, पाकिस्तान की टीम के प्रदर्शन की तारीफ करने के लिए जेल में बंद तीन कश्मीरी इंजीनियरिंग छात्रों पर, राजद्रोह के आरोप में मुकदमा चलाने के लिए, सरकार की इजाजत की प्रतीक्षा कर रही है! कहने की जरूरत नहीं है कि पाकिस्तानी क्रिकेट टीम की प्रशंसा करने के %अपराध% में ये मुसलमान नौजवान, तभी से बिना किसी जमानत के जेल में बंद हैं! उग्र हिंदुत्ववादियों को सौ खून माफ और अल्पसंख्यकों का अपने नागरिक अधिकारों का प्रयोग करना भी गुनाह—भाजपा-शासित भारत के इसे नये नॉर्मल के साथ, हम 2022 का स्वागत कर रहे हैं। लेकिन, यह किस्सा सिर्फ स्वतंत्रता की पचहत्तरवीं सालगिरह तक, धर्मनिरपेक्ष भारत के संविधान के होते हुए, भारत को व्यवहार में, पाकिस्तान की तर्ज पर करीब-करीब एक हिंदुत्ववादी धर्म-राज्य बनाकर रख दिए जाने पर ही खत्म नहीं हो जाता है। भव्य विश्वनाथ कॉरिडोर के उद्घाटन के भव्य और सर्वप्रचारित आयोजन के क्रम में अपने संबोधनों में प्रधानमंत्री ने जिस तरह परंपरा तथा इतिहास के पुनरुत्थान को विकास का समानार्थी बताया है, वह ऊपर-ऊपर से देखने पर भले ही परंपरा और विकास को जोड़े जाने का मामला लगे, जो संबंध उनके दावे के अनुसार स्वतंत्रता के बाद, बड़े बांधों, बुनियादी कारखानों आदि को %नये भारत के मंदिर% बताने वाले नेहरूवादी भारत में टूट गया था, वास्तव में प्रधानमंत्री इतिहास और परंपरा की अपनी एकांगी तथा वास्तव में सांप्रदायिक प्रस्तुति के जरिए, हिंदुत्ववादी राज्य की उक्त बढ़ती हुई मांग के लिए, सैद्धांतिक स्वीकार्यता का आधार ही मुहैया करा रहे थे। प्रधानमंत्री का अपने संबोधन में औरंगजेब बनाम शिवाजी के जरिए, %वे% बनाम %हम% के द्वैध की दुहाई को आगे बढ़ाना, बेशक उत्तर प्रदेश के आने वाले विधानसभाई चुनाव के लिए उपयोगी है, पर उसका असर दूर तक जाता है। यह भारत को हिंदुत्ववादी धर्म राज्य बनाने उस प्रोजेक्ट का हिस्सा है, आरएसएस जिसके अपनी स्थापना की शताब्दी के वर्ष, 2025 तक पूरा होने की उम्मीद लगाए हुए है। यह संयोग ही नहीं है कि %भव्य काशी% के अनावरण के बाद से, हमलावर तरीके से अल्पसंख्यकविरोधी अधर्म संसदों में ही नहीं, नमाज से लेकर क्रिसमस तक, अल्पसंख्यकों के धार्मिक आयोजनों पर भी, हमलों में नाटकीय तेजी देखने को मिली है। हिंदुत्ववादी उग्रवादियों को शासन के उनके पक्ष में होने की आश्वस्ति जो मिल गई है। हरिद्वार में पुलिस के आला अधिकारियों के साथ, धर्म संसद के आरोपियों की मुलाकात में लगे ठहाके, इसी का बयान करते हैं।

सांप्रदायिक ध्रुवीकरण में लगी भाजपा

उत्तरप्रदेश चुनाव में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण पर भाजपा अब पूरी तरह से लग चुकी है। कन्नौज से भाजपा सांसद सुब्रत पाठक ने बयान दिया है कि जिनकी मानसिकता भारत के खिलाफ है और जो लोग भारत में शरिया का सपना देख रहे हैं ऐसे लोगों का वोट भाजपा को नहीं चाहिए और ना ही वे लोग भाजपा को वोट देने वाले हैं। इस बयान से एक बार फिर भाजपा ने ये जतला दिया है कि चुनावों में वह हिंदू-मुस्लिम एजेंडे के साथ उतरने वाली है। इससे पहले मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी कब्रिस्तान का जिक्र छेड़ ही चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के उद्घाटन में शिवाजी और औरंगजेब का नाम लेकर बता दिया था कि मंदिर के बहाने वह किस तरह की राजनीति कर रहे हैं। पिछले महीने ही योगी सरकार के मंत्री रघुराज सिंह ने कहा था कि मदरसों से आतंकी निकलते हैं और अगर उन्हें भगवान ने मौका दिया तो वह सारे मदरसों को बंद कर देंगे। इसी तरह उत्तरप्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा था कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में जालीदार टोपी वाले लुंगी छाप गुंडे घूमते थे। भाजपा के ये तमाम नेता अयोध्या के राम मंदिर के बाद मथुरा और काशी की तैयारी की बात तो कर ही रहे हैं। गुरुवार को मुरादाबाद में गृहमंत्री अमित शाह ने सपा के शासन में बाहुबली और भाजपा के शासन में बजरंगबली दिखाई देने की बात की। अमित शाह ने सभा में मौजूद लोगों को निजाम का नया मतलब भी समझाया और कहा कि निजाम का मतलब शासन होता है, मगर अखिलेश के निजाम का मतलब-नसीमुद्दीन, इमरान, आजम और मुख्तार था। आपको ये वाला निजाम चाहिए, या योगी-मोदी जी का सुशासन चाहिए। पिछले चुनावों में भी अमित शाह ने इसी तरह कसाब का नया मतलब समझाया था। चुनाव से पहले भाजपा अक्सर इसी तरह की सांप्रदायिक और धार्मिक भावनाएं भड़काने वाली बयानबाजी करती है। भाजपा जानती है कि इस देश की जनता को भावनाओं के ज्वार में कैसे बहाया जा

संसद में 2 सीटों से बहुमत तक का सफर भाजपा ने इसी तरह तय किया है और अफसोस की बात ये है कि धर्म की इस उन्मादी राजनीति में बाकी दल भी कभी न कभी आ ही जाते हैं। अब तो धर्म के नाम पर संसद भी लगने लगी है, जहां धर्म की रक्षा के नाम पर तमाम तरह की अनर्गल बातें हो रही हैं।

सकता है। इसलिए कभी राष्ट्रवाद, कभी राम, कभी धर्म की रक्षा के नाम पर लोगों को प्रभावित करने की कोशिश होती है। संसद में 2 सीटों से बहुमत तक का सफर भाजपा ने इसी तरह तय किया है और अफसोस की बात ये है कि धर्म की इस उन्मादी राजनीति में बाकी दल भी कभी न कभी आ ही जाते हैं। अब तो धर्म के नाम पर संसद भी लगने लगी है, जहां धर्म की रक्षा के नाम पर तमाम तरह की अनर्गल बातें हो रही हैं। हरिद्वार की धर्म संसद में जिस तरह अल्पसंख्यकों के लिए नफरत भरे बयान दिए गए, उनसे जाहिर होता है कि बिना सत्ता के संरक्षण के, इस तरह की बातें सार्वजनिक मंचों से नहीं हो सकती। हरिद्वार के बाद रायपुर की धर्म संसद में भी ऐसी ही धार्मिक उन्माद से भरी बातें की गईं, बल्कि गांधीजी को कालीचरण नाम के तथाकथित संत ने अपशब्द कहे। इस घटना के बाद कांग्रेस सरकार से तत्काल सख्त कार्रवाई की अपेक्षा की जा रही थी। कालीचरण के खिलाफ मामला तो तुरंत ही दर्ज हो गया था। धर्म संसद के आयोजक महंत रामसुंदर दास ने भी बयान की आलोचना करते हुए खुद को धर्म संसद से अलग कर लिया था। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कालीचरण से आत्मसमर्पण की बात कही थी। और अब छत्तीसगढ़ पुलिस ने मध्यप्रदेश से कालीचरण को गिरफ्तार किया है। लेकिन अब इस पर भी राजनीति शुरु हो गई है। मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने इस गिरफ्तारी को लेकर संघीय ढांचे की व्यवस्थाओं और मर्यादाओं का उल्लंघन का सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस चाहती तो नोटिस देकर उन्हें ले जा सकती थी। मध्य प्रदेश की पुलिस से मदद मांगकर भी उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता था।

कितने आश्चर्य की बात है कि जब मध्यप्रदेश के ग्वालियर में गोडसे की मूर्ति पूजा होती है, जब गांधीजी की फोटो पर बंदूक चलाई जाती है, जब गोडसे को महान बताने वाली प्रज्ञा ठाकुर को भाजपा अपना प्रत्याशी बनाती है, जब बापू को कोई साधु कहलाने वाला शख्स अपशब्द कहता है, तब मर्यादाओं का ख्याल नहीं आता। लेकिन किसी आरोपी की गिरफ्तारी पर सारे कायदे याद आ जाते हैं। मध्यप्रदेश के गृहमंत्री ने कहा कि कालीचरण जी ने जो बोला वह आपत्तिजनक था, जिस तरह से छत्तीसगढ़ पुलिस ने गिरफ्तारी की है वह भी आपत्तिजनक है। अब श्री मिश्रा को ये भी बता देना चाहिए कि अगर कालीचरण ने जो कहा वह आपत्तिजनक था, तो इस पर उन्होंने आपत्ति क्यों नहीं दर्ज कराई। कैसे कालीचरण उनके शासन में उनके राज्य में आजाद घूम रहा था। कालीचरण की गिरफ्तारी से लेकर उप्र की चुनावी रैलियों तक भाजपा नेता जिस तरह की बातें कह रहे हैं, उनसे उनकी असली मानसिकता का पता चल रहा है।

खराब कानून न्यायपालिका के कार्यभार को बढ़ा रहे

सीजेआई रमण ने कुछ अन्य चुनौतियां भी उठाईं जिनका उनके पूर्ववर्ती को भारतीय न्यायपालिका के संकटपूर्ण इतिहास में हाल ही में सामना करना पड़ा था। इनमें से प्रमुख डोमेन विशेषज्ञता के बारे में है, जिसका पहले के युग में अदालतों को संघर्ष नहीं करना पड़ता था। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के तेजी से विकास के दौर में हम देख रहे हैं कि नई और नई समस्याओं से निपटने के लिए न्यायाधीश विशेषज्ञता के मामले में कैसे कमतर हो जाते हैं। इंटरनेट की नई दुनिया, वास्तव में, अज्ञात का एक महासागर है। श्रीलवू वेंकटेश्वरलू एंडोमेंट लेक्चर देते हुए प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण का %विजयवाड़ा भाषण% इस बात के लिए महत्वपूर्ण है कि उन्होंने एक बहुत ही संवदेनशील मसले पर अपनी राय व्यक्त की है। मसला है सरकार द्वारा मनमाने कार्यों को शुरू करने के लिए इन दिनों लोकप्रिय बहुमत का उपयोग कैसे किया जाना। बेशक, सीजेआई सामान्य शब्दों में बोल रहे थे, लेकिन यह स्पष्ट है कि उनका आक्रोश उस मौजूदा स्थिति के कारण हुआ है जिसमें मोदी सरकार के कार्यों को एक के बाद एक सवालों के घेरे में लिया गया है। वह न्यायिक ओवररीच के रूप में कार्यकारी कार्यों की न्यायिक समीक्षा की निंदा करने की प्रवृत्ति पर विशेष रूप से कठोर थे, जो कि मोदी सरकार की पहचान रही है। लेकिन सीजेआई रमण ने कुछ अन्य चुनौतियां भी उठाईं जिनका उनके पूर्ववर्ती को भारतीय न्यायपालिका के संकटपूर्ण इतिहास में हाल ही में सामना करना पड़ा था। इनमें से प्रमुख डोमेन विशेषज्ञता के बारे में है, जिसका पहले के युग में अदालतों को संघर्ष नहीं करना पड़ता था। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के तेजी से विकास के दौर में हम देख रहे हैं कि नई और नई समस्याओं से निपटने के लिए न्यायाधीश विशेषज्ञता के मामले में कैसे कमतर हो जाते हैं। इंटरनेट की नई दुनिया, वास्तव में, अज्ञात का एक महासागर है, जिसमें डार्क वेब, पहचान की चोरी, धोखाधड़ी ऑनलाइन लेनदेन, अपमानजनक सामग्री, अभद्र भाषा आदि जैसी समस्याएं हैं।

जटिलताओं की एक और बड़ी परत जोड़ता है आभासी मुद्रा और नए तंत्र के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग, जिससे निपटने के लिए न्यायपालिका के पास कोई विशेषज्ञता नहीं है। न्यायमूर्ति रमण ने बताया कि कैसे इनसे संबंधित अपराधों के तंत्र को समझना भी न्यायाधीशों और जांचकर्ताओं से परे हो सकता है। जटिलता की एक अतिरिक्त परत अधिकार क्षेत्र के मुद्दे से संबंधित है। राजनेताओं और नौकरशाहों के साथ भी ऐसा हो सकता है, लेकिन वे उनसे निपटने के लिए बहुत कम अनिच्छा दिखाते हैं और यहां तक कि ऐसे कानून भी बनाते हैं जो बाद में व्याख्या करने में अदालतों के लिए समस्या पैदा करते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि कैसे आपराधिक कानून के बदलते आयामों के अलावा, नए और जटिल नागरिक कानून के मुद्दे भी हैं जो प्रौद्योगिकियों में प्रगति के कारण उत्पन्न हुए हैं। ये सभी कानूनी परिदृश्य को बदल रहे हैं और न्यायाधीशों और अन्य अधिकारियों को व्यापक तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता है। %हमारी समझ और कानून तकनीक बदलने से बहुत पीछे नहीं रह सकते। हम अभी भी इंटरनेट से संबंधित मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं, जबकि प्रौद्योगिकीविद मेटावर्स के बारे में बात कर रहे हैं, उन्होंने कहा। न्यायमूर्ति रमण ने खराब कानूनों के बारे में खेद व्यक्त किया, जो अदालतों के काम को और अधिक कठिन बना रहे हैं। विधानों को पारित करने से पहले आमतौर पर कोई प्रभाव मूल्यांकन या संवैधानिकता की बुनियादी जांच नहीं होती है। उन्होंने सांसदों को याद दिलाया कि कानूनों का मसौदा तैयार करते समय विधायिका से जो न्यूनतम अपेक्षा की जाती है, वह यह है कि वे स्थापित संवैधानिक सिद्धांतों का पालन करते हैं। कानून बनाते समय, उन्हें उन मुद्दों के लिए प्रभावी उपाय प्रदान करने के बारे में भी सोचना चाहिए जो कानून से उत्पन्न हो सकते हैं। लेकिन प्रतीत होता है कि इन सिद्धांतों की अनदेखी की जा रही है। न्यायमूर्ति ने खेद व्यक्त किया कि कानून बनाने में दूरदर्शिता की कमी के कारण अक्सर सीधे तौर पर अदालतें बंद हो जाती हैं। उदाहरण के लिए, उन्होंने 2016 में बिहार के मद्य निषेध अधिनियम की शुरुआत का हवाला दिया, जिसके परिणामस्वरूप उच्च न्यायालय जमानत आवेदनों से जाम हो गए हैं। इस वजह से, एक साधारण जमानत आवेदन के निपटारे में एक साल लग गया, उन्होंने बताया। यायपालिका की लाचारी पर विस्तार से बताते हुए, उन्होंने ने बताया कि न्याय सुनिश्चित करने में कार्यपालिका की भूमिका कैसे महत्वपूर्ण है। %अदालतों के पास पर्स या तलवार की शक्ति नहीं है। कोर्ट के आदेश तभी अच्छे होते हैं जब उन्हें अमल में लाया जाता है। राष्ट्र में कानून के शासन के लिए कार्यपालिका को सहायता और सहयोग करने की आवश्यकता है। हालांकि, कार्यपालिका द्वारा न्यायालय के आदेशों की अवहेलना और यहां तक कि अनादर करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, उन्होंने कहा।

मुख्य न्यायाधीश ने लंबे समय से लंबित मामलों और भारी बैकलॉग की जटिल समस्या के बारे में भी बात की, जो बड़ी संख्या में वादियों के लिए न्याय प्रदान करने में बाधा डाल रहे हैं, न्यायपालिका में उनके विश्वास को हिला रहे हैं। हाल के आंकड़े बताते हैं कि भारतीय अदालतों में 4 करोड़ 60 लाख मामले लंबित हैं। अपने आप में, यह संख्या बहुत उपयोगी संकेतक नहीं है। इसके अलावा, भारत की जनसंख्या, जो लगभग 1.4 अरब है, और न्यायाधीश-से-जनसंख्या अनुपात 21 न्यायाधीशों प्रति मिलियन को ध्यान में रखा जाना चाहिए, न्यायमूर्ति रमण ने आगाह किया।

लो आ गई जनवरी

दिव्येश शर्मा
शमशाबाद (विदिशा)

ग्यारह महीने आगे भी है, पीछे भी है ग्यारह माह
एक महीना और मिलाकर बनती बारह महीने
की एक साल,
लो आ गई जनवरी, आज एक जनवरी ।

यह साल का पहला महीना बड़ा ही खुशियों
वाला,
इसी माह में हुआ था भारत संविधान वाला,
पूर्ण सनातनी योगी जी का, है इसी माह का जन्म,
लो आ गई जनवरी, आज है एक जनवरी ।

जब जब फरबरी महीना आए, वीर शिवाजी की गाथा गाए
मार्च में होली जब आए, रंगो का मेला लग जाए,
अप्रैल वैशाखी का महीना, मई में राणा प्रताप था जन्मा,
झांसी वाली रानी का बलिदान बताता जून,
लो आ गई जनवरी आज है एक जनवरी ।

श्रवण की शुरुआत जुलाई, रिमझिम वर्षा घर घर आई,
अगस्त आजादी का गहना, देश भक्तो का बस यही कहना,
सितंबर नमो नमो पधारे, अक्टूबर में गांधी आए
दीपावली नवम्बर की यारो, दिसंबर साल का अंत
लो आ गई जनवरी, आज है एक जनवरी ।

अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं , लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।

प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढ़ने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढ़ने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।

बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है।

जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।

कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।

जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णत- व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
- इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
- देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
- माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढिया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।

देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।

अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

चुनावी मौसम में मायावती लापता

82 दिन पहले सभा में नजर आईं, उसके बाद कोई चुनावी रैली नहीं, प्रेस कॉन्फ्रेंस भी महज 4 बार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज लखनऊ

चार बार यूपी की मुख्यमंत्री रहीं मायावती को इस चुनाव में लोग ढूंढ रहे हैं। चुनाव से चंद दिनों पहले मायावती पूरी तरह से खामोश हैं। जबकि सपा प्रमुख अखिलेश यादव विजय यात्रा रथ निकाल रहे हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी महिलाओं के बीच जनाधार मजबूत कर रही हैं। प्रचार के लिए भाजपा ने पूरी हाईकमान को यूपी में उतार दिया है। सिर्फ बसपा प्रमुख चुनाव में सक्रिय नहीं हैं। आइए आपको बताते हैं कि बसपा सुप्रीमो ने पिछले 90 दिन में कहां और क्या किया... 23 दिसंबर- अयोध्या जमीन घोटाले की जांच की मांग के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। 6 दिसंबर- बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। 30 नवंबर- पार्टी कार्यालय में चुनाव पर पदाधिकारियों के साथ बैठक की। 26 नवंबर- बसपा ने भी संविधान दिवस के कार्यक्रम का बहिष्कार किया। 24 नवंबर- पार्टी ने पिछले कार्यकाल में किए विकास कार्यों का फोल्डर जारी किया। 23 नवंबर- चुनाव बैठक की। कार्यकर्ताओं को जुटने का संदेश दिया। 19 नवंबर- कृषि कानून वापस लेने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस की। 9 नवंबर- बीजेपी के चुनावों वादों पर घेराबंदी करने के लिए बैठक की। 9 अक्टूबर- काशीराम की पुण्यतिथि पर प्रेस कॉन्फ्रेंस और जनसभा की।

ट्विटर के जरिए ये मुद्दे उठाए:

कृषि कानूनों के असर का आकलन होना चाहिए था। किसानों की उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित करने के लिए नया कानून बनाना चाहिए।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में कांग्रेस की तरह भाजपा भी गंभीर नहीं है। लोकसभा व विधानसभाओं में उनके लिए 33 फीसदी आरक्षण का मामला लंबित पड़ा है।

नोएडा से बलिया तक 8-लेन के गंगा एक्सप्रेस-वे के जरिए दिल्ली को पूर्वांचल से सीधे जोड़ने की पैरवी बसपा कर रही थी।

बड़े चेहरे छिटकने से चुनावी मुश्किलें बढ़ी

25 अक्टूबर को इंद्रजीत सरोज और लालजी वर्मा ने बसपा छोड़कर सपा की सदस्यता ली।

25 अक्टूबर को इंद्रजीत सरोज और लालजी वर्मा ने बसपा छोड़कर सपा की सदस्यता ली।

साल 2017 में हुए विधानसभा चुनाव में मायावती ने 19 सीटें जीती थीं। कोर वोट बैंक ओबीसी के सहारे चुनावों में तेवर दिखाने वाली मायावती के लिए ये चुनाव थोड़ा मुश्किल भी है। बसपा के कई बड़े चेहरे पार्टी से छिटक चुके हैं। इंद्रजीत सरोज और लालजी वर्मा ने बसपा का साथ छोड़ दिया। वहीं, हाल ही में हरिशंकर तिवारी भी अपने बेटों और भांजे को सपा की साइकिल पर सवार कर चुके हैं।

कहीं साइलेंस की वजह सीबीआई और ईडी जांच तो नहीं: सवाल उठता है कि मायावती चुनाव प्रचार में कहीं सक्रिय क्यों नहीं हैं? कहा जा रहा है कि उन पर और उनके परिवार के सदस्यों पर सीबीआई और ईडी की आय से अधिक संपत्ति के मामलों के कारण वो दबाव में हैं।

2017 में मेरठ, अलीगढ़ से की थी प्रचार की शुरुआत: साल 2007 में सोशल इंजीनियरिंग के जरिए उन्होंने ब्राह्मणों को जोड़ने की कोशिश की। 2017 में दलित-ब्राह्मण एकता के नाम पर सम्मेलन भी करवाए गए। मेरठ के थाना टीपी नगर में वेद व्यासपुरी के सेक्टर दो मैदान और अलीगढ़ के बन्ना देवी इलाके में जीटी रोड के पास प्रदर्शनी स्थल से उन्होंने चुनाव प्रचार की शुरुआत की थी। 22 फीसदी एससी आबादी उनका कोर वोट है। आरक्षित सीटों पर मायावती हमेशा ही मजबूत रहीं हैं।

काशीराम स्मारक स्थल पर 9 अक्टूबर को परिनिर्वाण दिवस मनाया

बड़ी चुनावी रैलियों के लिए पहचानी जाने वाली मायावती ने 9 अक्टूबर को काशीराम स्मारक स्थल पर परिनिर्वाण दिवस मनाया था। इसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। हालांकि, इसको चुनावी रैली नहीं माना जा सकता है।

वहीं ब्राह्मणों से जोड़ने के लिए मायावती ने पार्टी के महासचिव सतीश चंद्र मिश्र को जिम्मेदारी दी हुई है। सतीश की पत्नी कल्पना मिश्र का भी ब्राह्मण समाज की महिलाओं को संबोधित करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर डाले जा रहे हैं।

अमित शाह ने चैलेंज दिया...बाहर निकलिए

मायावती की चुनावी साइलेंस पर अमित शाह ने भी चुटकी ली। गुरुवार को मुरादाबाद में शाह ने कहा बहनजी की तो अभी ठंड ही नहीं गई है। ये भयभीत हैं। बहनजी, चुनाव आ गए हैं। थोड़ा बाहर निकलिए, बाद में ये न कहिएगा। मैंने प्रचार नहीं किया था।

काशीराम स्मारक स्थल पर 9 अक्टूबर को परिनिर्वाण दिवस मनाया

बड़ी चुनावी रैलियों के लिए पहचानी जाने वाली मायावती ने 9 अक्टूबर को काशीराम स्मारक स्थल पर परिनिर्वाण दिवस मनाया था। इसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। हालांकि, इसको चुनावी रैली नहीं माना जा सकता है।

वहीं ब्राह्मणों से जोड़ने के लिए मायावती ने पार्टी के महासचिव सतीश चंद्र मिश्र को जिम्मेदारी दी हुई है। सतीश की पत्नी कल्पना मिश्र का भी ब्राह्मण समाज की महिलाओं को संबोधित करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर डाले जा रहे हैं।

कश्मीर में 3 और आतंकियों का सफाया

48 घंटे में जैश-ए-मोहम्मद के 9 आतंकी ढेर, पुलिस ने कहा- 2021 में 171 आतंकवादी मारे गए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज श्रीनगर

श्रीनगर के पंथा चौक में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच गुरुवार आधी रात को हुए मुठभेड़ में 3 आतंकी मारे गए हैं। ये सभी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े थे। मुठभेड़ में सुरक्षाबल के 4 जवान घायल हुए हैं। इनमें 3 पुलिसकर्मी और एक CRPF का जवान शामिल हैं। कश्मीर घाटी में पिछले 48 घंटे के भीतर सुरक्षा बलों ने जैश के 9 आतंकियों का सफाया किया है। IGP कश्मीर विजय कुमार के मुताबिक, पंथा चौक इलाके मारे गए एक आतंकी की पहचान जैश-ए-मोहम्मद के सुहैल अहमद के तौर पर हुई है। 13 दिसंबर को जेवान इलाके में एक पुलिस बस पर हमला हुआ था। यह आतंकी भी उस हमले में शामिल था। बस हमले में शामिल सभी आतंकियों को मारा जा चुका है।

साल 2021 में 19 पाकिस्तानी आतंकी मारे गए IGP कुमार ने बताया कि साल 2021 में 171 आतंकवादी मारे गए हैं। इनमें 19 पाकिस्तानी आतंकवादी और 152 स्थानीय आतंकवादी शामिल हैं। पिछले साल 37 स्थानीय लोगों की जान गई थी, जबकि इस साल 34 स्थानीय लोगों की जान गई है।

अनंतनाग और कुलगाम में जैश के 6 आतंकी ढेर: बुधवार को कुलगाम और अनंतनाग जिलों में अलग-अलग एनकाउंटर में 6 आतंकवादी मारे गए थे। ये सभी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े थे। अभी तक 4 आतंकियों की पहचान हुई है, जिनमें 2 पाकिस्तानी और 2 स्थानीय हैं।

दिसंबर में 5 पाकिस्तानियों समेत 24 आतंकवादी मारे गए: IGP कुमार ने गुरुवार को बताया कि दिसंबर में 24 आतंकवादी मारे गए हैं। इनमें 5 पाकिस्तानी हैं। आतंकियों के पास से रु में बने दो स्र्व कार्बाइन राइफल, 15 ,च47, 24 से अधिक पिस्तौल, ग्रेनेड और ढ्ढश्वष्ठ बरामद किए गए हैं। यह बरामदगी पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद की आतंकी संलिप्तता को साबित करती है।

अमृतसर में नए साल की पूर्व संध्या से पहले 2022 की थीम पर हाथ और चेहरे को रंगने के बाद तस्वीरें खिंचवाती युवतियां।

न्यूज ब्रीफ

अफगानियों को पाक नागरिकता नहीं: 40 साल से पाकिस्तान में रह रहे 15 लाख अफगानी लोगों को नहीं मिली नागरिकता, वतन वापसी का डर

नई दिल्ली। अपने देश को छोड़ने की मजबूरी और फिर दूसरे देश को अपना बनाने के बावजूद वहां खुद को नहीं स्वीकारने का दर्द जीवन को मुश्किल बना देता है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में लगभग 15 लाख अफगान परिवार बसे हुए हैं। 80 के दशक से अफगानिस्तान छोड़ कर पाकिस्तान में शरणार्थी बनकर ये लोग जीवन यापन कर रहे हैं। पिछले 40 साल में इन परिवारों के बच्चे यहीं पर जन्मे और पले पढ़े। इन अफगान बच्चों को अब भी नागरिकता नहीं मिली है। ऐसे बच्चों की बड़ी संख्या है। वैसे तो पाकिस्तान में पैदा होने वाले को नागरिकता का हक है लेकिन स्थानीय नागरिकों के दबाव में सरकार अफगान बच्चों को नागरिकता नहीं देती है। कराची में रहने वाले 24 साल के अफगान शरणार्थी सलीम का सपना डॉक्टर बनने का था। लेकिन उसे किसी मेडिकल कॉलेज में एडमिशन नहीं मिला। आज सलीम लैब टेक्नीशियन बनकर रोजी कमा रहा है। दस्तावेज के अभाव में उसे बाकी से कम वेतन मिलता है।

अफसरों को घूस भी देनी पड़ती है: अफगान शरणार्थियों को अफसरों को घूस भी देनी पड़ती है। क्योंकि बिना नागरिकता के नौकरी करने पर उन्हें कभी भी अफगानिस्तान भेजा जा सकता है। 23 साल का मदाद अली चोरी छिपे वेब डव्लपर का काम करता है। क्योंकि उसके पास कारोबार करने के लिए वैध दस्तावेज नहीं हैं। इन शरणार्थियों का कहना है कि पाकिस्तान को अपना देश मानने के बावजूद उनके पास यहां की नागरिकता नहीं है।

मलाल है कि हमें इतने साल बाद भी पाक नहीं स्वीकारता: 22 साल की समीरा का कहना है कि मेरे पैरेंट्स अफगानिस्तान को ही अपना देश मानते हैं, लेकिन मेरा जन्म पाकिस्तान में हुआ, पढ़ाई यहीं की और काम भी यहीं करती हूं। मेरा देश तो पाकिस्तान है। समीरा ने यूएन कैंप में सिलाई-कढ़ाई का काम

उन्नाव में 2022 यूपी विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव अभियान के तहत जन विश्वास रैली के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

ड्रैगन का उकसाने वाला कदम:सीमा पर अरुणाचल के नजदीक 15 स्थानों के नाम बदले, भारत का जवाब- नाम बदलने से सच्चाई नहीं बदलती

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज बीजिंग

चीन ने चार साल पुरानी हरकत को फिर दोहराया है। उसने अरुणाचल प्रदेश की सीमा से लगे क्षेत्र में 15 स्थानों के नाम चीनी और तिब्बती रख दिए हैं। चीन की सिविल अफेयर्स मिनिस्ट्री ने गुरुवार को इस फैसले को सही बताते हुए कहा- यह हमारी प्रभुसत्ता और इतिहास के आधार पर उठाया गया कदम है। यह चीन का अधिकार है। दरअसल, चीन दक्षिणी तिब्बत को अपना क्षेत्र बताता है। उसका आरोप है कि भारत ने उसके तिब्बती इलाके पर कब्जा करके उसे अरुणाचल प्रदेश बना दिया। इसके पहले 2017 में चीन ने 6 जगहों के नाम बदले थे। चीन के इस कदम का भारत ने भी करारा जवाब दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा- अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है। नाम बदलने से सच्चाई नहीं बदलती। चीन ने 2017 में भी ऐसा ही कदम उठाया था। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग था और हमेशा रहेगा।

स्टेट काउंसिल ने जारी किए नाम: चीन के सरकारी अखबार 'ग्लोबल टाइम्स' के मुताबिक- गुरुवार को चीन की कैबिनेट (स्टेट काउंसिल) ने 15 नाम बदले जाने को मंजूरी दे दी। यह सभी इलाके जेंगनेन (चीन के दक्षिण राज्य शिजियांग का हिस्सा) में आते हैं। इनमें से 8 रिहायशी इलाके हैं।

फ्लाइट में मचा बवाल: महिला पैसेंजर ने मास्क ना लगाने पर बुजुर्ग व्यक्ति के मुंह पर मारा थप्पड़

नई दिल्ली। दुनिया में कोरोना का नया वैरिएंट ओमिक्रॉन लोगों की चिंता बढ़ा रहा है। लोगों से फिर एक बार मास्क लगाने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की गुहार लगाई जा रही है। अब इसी बीच सोशल मीडिया पर डेल्टा फ्लाइट का एक वीडियो वायरल हो रहा है।

बुजुर्ग व्यक्ति के मुंह पर थूका और मारा थप्पड़: वायरल वीडियो में एक महिला पैसेंजर बुजुर्ग व्यक्ति के साथ बदसलूकी करते हुए नजर आ रही है। महिला पैसेंजर एक बुजुर्ग व्यक्ति के मास्क ना लगाने पर इतनी गुस्सा हो गई कि उसने बुजुर्ग व्यक्ति को थप्पड़ मार दिया। इतना ही नहीं महिला ने उस आदमी के मुंह पर थुकते हुए भी दिख रही है। ध्यान देने वाली बात यह है कि इस पूरे बवाल के बीच महिला खुद भी बिना मास्क पहने दिख रही है।

स्पेन में 24 घंटे में मिले 1.61 लाख नए कोरोना केस

कोरोना दुनिया में : 74 की मौत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

स्पेन में बीते 24 घंटे में 1 लाख 61 हजार 688 नए कोरोना केस सामने आए हैं। वहीं पिछले 24 घंटों में इस वायरस से 74 लोगों की मौत हई है। देश में मरने वालों की संख्या 89 हजार 405 पहुंच गई है। स्पेन की नेशनल हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक, अब तक 62 लाख 94 हजार 745 लोग कोरोना संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। यूरोप में ओमिक्रॉन की वजह से कई देश कोरोना की पांचवी लहर का सामना कर रहे हैं। WHO ने इसे लेकर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि डेल्टा और ओमिक्रॉन वैरिएंट की ऐसी सुनामी आएगी कि हेल्थ सिस्टम तबाही के कगार पर पहुंच जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका ने नाइट कर्फ्यू हटाया, सरकार बोली- हमारे यहां चौथी लहर का पीक खत्म: दक्षिण अफ्रीका में नाइट कर्फ्यू हटा दिया गया है। सरकार का मानना है कि कोरोना की चौथी लहर का पीक खत्म हो गया है। हालांकि इनडोर प्रोग्राम में 1 हजार और आउटडोर प्रोग्राम में 2 हजार लोग ही शामिल हो सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका के हेल्थ डिपार्टमेंट के मुताबिक, देश में बीते हफ्ते के मुकाबले नए मामलों में 29.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। अफ्रीका में कोरोना के अब तक कुल 35 लाख केस और 91 हजार मौतें दर्ज की गई हैं।

अमेरिका में संक्रमण की वजह से फ्लाइट्स पर भी असर, करीब एक हजार उड़ानें रद्द: अमेरिका में कोरोना और ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों का असर फ्लाइट ऑपरेशन पर भी पड़ रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की गुरुवार रात जारी रिपोर्ट के मुताबिक, देश में करीब एक हजार फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं। हॉलीडे सीजन में ट्रैवलर्स को काफी परेशानी हो रही है। एयरलाइंस कंपनियों के पास स्टाफ की कमी हो रही है। कंपनियों ने काफी कोशिश की, लेकिन इसके बावजूद स्टाफ एडजस्टमेंट में दिक्कत हो रही है। हालांकि, बर्फबारी और खराब मौसम भी उड़ानें रद्द होने की एक वजह हैं। शुक्रवार को 500 उड़ानें रद्द होने की आशंका है। अमेरिका में ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों की वजह से कोरोना केस में लगातार इजाफा हो रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, बुधवार को यहां कोरोना के रिकार्ड 4.88 लाख नए मामले दर्ज किए गए और 1207 लोगों की मौत हुई है। मंगलवार को यहां 3.88 लाख कोरोना संक्रमित मिले थे। रु में पिछले 2 हफ्तों के भीतर अस्पताल में भर्ती होने वाले पेशेंट्स की संख्या में 11 फीसदी का इजाफा हुआ है।

चीन के शियान में 1117 मामले हुए: चीन के शांक्सी प्रांत के शहर शियान में तमाम सख्ती के बावजूद मामले बढ़ते जा रहे हैं। देश के सरकारी अखबार के मुताबिक, गुरुवार तक यहां 1117 मामले सामने आ चुके हैं। गुरुवार को कुल 155 संक्रमितों की पहचान हुई। अधिकारियों के मुताबिक, सबसे ज्यादा फिक्र की बात यह है कि सभी मामले लोकल ट्रांसमिशन के हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो स्थानीय स्तर पर संक्रमण तेजी से फैल रहा है। शहर की आबादी एक करोड़ 30 लाख है। चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लोग शिकायत कर रहे हैं कि उनके पास भोजन का सामान खत्म हो रहा है। दूसरी तरफ सरकार का दावा है कि वो लोगों के घर तक खाने का सामान पहुंचा रही है।

न्यूज ब्रीफ

घंटों तक लिफ्ट में फंसे रहे स्टीव स्मिथ, लाइव आकर लोगों से पूछा सवाल

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट टीम के उकसान स्टीव स्मिथ एक बड़ी मुसीबत में फंस गए। स्मिथ गुरुवार को मेलबर्न के पार्क हयात होटल की लिफ्ट में फंस गए। इसकी जानकारी उन्होंने लोगों को सोशल मीडिया के द्वारा दी। स्मिथ ने इंस्टाग्राम पर लाइव आकर लोगों को बताया कि वह लिफ्ट में फंस गए हैं। स्मिथ के लिफ्ट से निकालने के लिए गए मार्नस लाबुशेन की सभी कोशिशें बेकार गईं। स्मिथ ने लाईव के दौरान कहा कि मैं अपने फ्लोर पर लिफ्ट में फंस गया हूं। मैंने दरवाजे खोलने की कोशिश की पर वह नहीं खुले। मेरे ख्याल से इसकी सर्विस नहीं हुई है। मैं दरवाजे खोलने की कोशिश कर रहा हूं। मैं इस तरफ से खोलने की कोशिश कर रहा हूं जबकि दूसरी तरफ से लाबुशेन इसे खोलने की कोशिश कर रहे हैं। पर इसका कोई खास फायदा नहीं हुआ। यह वैसी शाम नहीं है जिसका मैंने प्लान बनाया था। सच बताऊं तो मैंने आज की शाम के लिए कुछ प्लान बनाए थे। स्मिथ ने आगे कहा कि मैं लाबुशेन की मदद से ज्यादा आधिकारियों की मदद का इंतजार कर रहा हूं। स्मिथ ने इसके आगे अपने फैंस से पूछा कि मैं अब बैठने जा रहा हूं और आप मुझे बताईए कि अगर आप लिफ्ट में फंस जाते तो आप क्या करते हैं? मैं यहां कुछ देर बैठा हूं तो अपने सुझाव मुझे बता सकते हैं कि मैं क्या कर सकता हूं। आखिर में लाबुशेन लिफ्ट का थोड़ा-सा दरवाजा खोलने में कामयाब रहे और उन्होंने स्मिथ को कुछ खाने का सामान दिया। कुछ देर बाद लिफ्ट को ठीक कर दिया गया और स्मिथ को लिफ्ट से बाहर निकाला गया। स्मिथ की यह वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही है।

डी कॉक का टेस्ट क्रिकेट से संन्यासःपरिवार को समय देने के लिए लंबे फॉर्मेट को कहा अलविदा

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने सभी को चौकाते हुए टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी है। गुरुवार को ही उनकी टीम को सेंचुरियन के मैदान पर पहली बार टीम इंडिया से 113 रन की करारी हार मिली है। डी कॉक का ये फैसला हैरान करने वाला इसलिए है, क्योंकि उन्होंने सिर्फ 29 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा। हालांकि वह अभी वनडे और टी-20 क्रिकेट खेलते रहेंगे। साउथ अफ्रीका क्रिकेट ने ट्वीट कर लिखा- प्रोटियाज विकेटकीपर बल्लेबाज, क्विंटन डी कॉक ने अपने बढ़ते परिवार के साथ अधिक समय बिताने के अपने इरादे का हवाला देते हुए, तत्काल प्रभाव से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। क्विंटन डी कॉक ने अफ्रीकी बोर्ड को दिए बयान में कहा- इस फैसले तक पहुंचना मेरे लिए आसान नहीं था। मैंने यह सोचने में बहुत समय लिया है कि मेरा भविष्य कैसा दिखता है।

साड़ी वाली पावरलिफ्टर ने जीते 5 गोल्ड : भारत की शर्वरी ने इस्तांबुल में 20 देशों की एथलीटों को पछाड़ा, मुट्ठी में किए मेडल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय पावर लिफ्टर डॉ. शर्वरी इनामदार ने विदेश में अपने देश का झंडा बुलंद कर अगल इतिहास रचा है। साड़ी पहनकर वर्कआउट करने वाली डॉक्टर शर्वरी ने तुर्की के शहर इस्तांबुल में आयोजित एशियन क्लासिक एंड बेंच प्रेस पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में एक-दो नहीं बल्कि 5 गोल्ड मेडल जीते हैं। डॉ. शर्वरी ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी शेयर की, जहां लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। एशियन क्लासिक एंड बेंच प्रेस पावर

लिफ्टिंग चैंपियनशिप में डॉक्टर शर्वरी इनामदार ने 57 किलो ओपन कैटेगरी में ये पांचों मेडल हासिल किए हैं। क्लासिक पावरलिफ्टिंग वर्ग शर्वरी ने स्क्वाड में 130 किलोग्राम, बेंच प्रेस में 70 किलोग्राम और डेडलिफ्ट में 150 किलोग्राम वजन उठाकर तीन गोल्ड मेडल अपने नाम किए। उन्होंने स्क्वाड, ब्रेंच प्रेस और डेडलिफ्ट में सबसे ज्यादा कुल 350 किलोग्राम वजन उठाया, जिसके लिए उन्हें एक और गोल्ड मेडल दिया गया। चैंपियनशिप के आखिरी राउंड में क्लासिक बेंच प्रेस में 70 किलोग्राम वजन उठाकर 5वां गोल्ड मेडल भी झटक लिया। बता दें कि एशियन क्लासिक एंड बेंच प्रेस पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप-2021 का आयोजन तुर्की पावर-लिफ्टिंग फेडरेशन के सहयोग से एशियन पावरलिफ्टिंग फेडरेशन ने करवाया। इस चैंपियनशिप में 20 देशों के पावर लिफ्टिंग एथलीटों ने भाग लिया। पुणे की रहने वाली डॉ. शर्वरी इनामदार पेशे से आयुर्वेद की डॉक्टर हैं। शर्वरी अपनी फिटनेस का खास ख्याल रखती हैं। पिछले कुछ सालों से डॉक्टर शर्वरी ने वर्कआउट और अपने आहार का विशेष रुटीन तैयार किया है, जिसे वे हर रोज फॉलो करती हैं।

जिम में साड़ी पहनकर ही करती है वर्कआउटः- डॉ. शर्वरी इनामदार लोगों के बीच उस वक्त चर्चा में आईं थीं, जब उनका साड़ी पहनकर जिम में वर्कआउट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। दरअसल, जून 2021 में उन्होंने एक वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था, जिसमें वह नीले रंग की साड़ी पहने हुए हैं। वायरल वीडियो में वह साड़ी में बड़ी आसानी से पुशअप्स और वेटलिफ्टिंग करती नजर आ रहीं हैं।

रोनाल्डो के गोल से जीता मैनचेस्टर यूनाईटेड, बर्नले को 3-1 से हराया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मैनचेस्टर

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने प्रीमियर लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के पिछले पांच मैचों में अपना चौथा गोल दागा जिससे मैनचेस्टर यूनाईटेड ने बर्नले को 3-1 से हराया जो उसकी हाल में टीम से जुड़ने वाले नये मुख्य कोच राल्फ रांगनिक के रहते हुए सबसे बड़ी जीत है। रोनाल्डो ने यूनाईटेड की तरफ से पहले हॉफ में तीसरा गोल किया। खेल के 35वें मिनट में रोनाल्डो के सामने कोई खिलाड़ी नहीं था और उन्होंने आसानी से गोल दागा। वह यूनाईटेड की तरफ से इस सत्र में सभी प्रतियोगिताओं में उनका 14वां गोल है। यूनाईटेड को स्कॉट मैकटोमिनी ने आठवें मिनट में बढ़त दिलायी जबकि बेन मी के 27वें मिनट में किए गए आत्मघाती गोल से उसका स्कोर 2-0 हो गया। रोनाल्डो ने जल्द ही इसे 3-0 कर दिया। बर्नले की तरफ से एकमात्र गोल आरोन लेनन ने 38वें मिनट में किया। यूनाईटेड की यह 18 मैच में नौवीं जीत है जिससे उसके 31 अंक हो गये हैं और वह छठे स्थान पर पहुंच गया है।

खेल और युवा कल्याण विभाग के लिए उपलब्धियो भरा रहा वर्ष 2021

» खेल प्रेमियों के लिए सरकार ने दी अनूठी सौगात
» खेल और युवा कल्याण विभाग के लिए वर्ष 2021 उपलब्धियों भरा रहा

वर्ष की मुख्य उपलब्धियां

1. मंत्रि-परिषद ने मध्य प्रदेश को खेलो का हब बनाने के लिए युवाओं को और अधिक अवसर प्रदान करने के लिए खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022-23 का आयोजन मध्य प्रदेश में करने की स्वीकृति दी।
2. ग्राम नाथू बरखेड़ा में 20.42 हेक्टर भूमि पर अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की स्वीकृति देते हुए प्रथम चरण की राशि रूपये 176.59 करोड़ स्वीकृत की।
3. टोक्यो ओलम्पिक में विवेक सागर प्रसाद ने हॉकी में, रूबिना फ्रांसिस एवं एश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने शूटिंग में मध्य प्रदेश खेल अकादमी से भागीदारी की।
4. महिला हॉकी में म.प्र. सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियन बना।
5. सब-जूनियर और जूनियर राष्ट्रीय अकादमी प्रतियोगिता में म.प्र. राष्ट्रीय चैम्पियन बना।
6. अकादमी के शूटिंग खिलाड़ी एश्वर्य प्रताप सिंह ने पेरू में रायफल थ्री पोजिशन शूटिंग विश्वकप में 463.4 अंकों के साथ नया विश्व रिकार्ड बनाया।
7. एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ी सुनील डावर ने 1500 मीटर दौड़ में 3.48.54 सेकेण्ड में दौड़ पूरी कर नया मीट रिकार्ड बनाया।

प्रदेश की खेल और युवा कल्याण मंत्री मान. यशोधरा राजे सिंधिया के अथक प्रयास के चलते मंत्री-परिषद की बैठक में वर्ष 2022-23 के खेलो इंडिया यूथ गेम्स की मेजबानी भोपाल शहर में किए जाने की स्वीकृति दी गई। साथ ही खेलो इंडिया योजना के प्रथम चरण में ग्राम नाथू बरखेड़ा में 20.42 हेक्टेयर भूमि पर अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की स्थापना को भी स्वीकृति दी गई। ग्राम नाथू बरखेड़ा भोपाल में निर्मित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण एवं उपकरण पर लगभग 176.59 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। यह कार्य तीन चरणों में किया जाएगा जिसमे पहले चरण में भोपाल में खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022-23 के आयोजन शामिल है। 176.59 करोड़ रूपये की राशि पहले चरण के लिए दी जायेगी। दूसरे और तीसरे चरण के कार्य के लिए अलग से राशि आवंटित की जायेगी। स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में लगभग 10 हज़ार क्षमता वाली फुटबॉल स्टेडियम, 4 हज़ार क्षमता के दो हॉकी स्टेडियम, पार्किंग, इंटर्नल एवं सर्विस मार्ग, लैंडस्केपिंग, हॉर्टिकल्चर, सोलर बाउंड्री वाल, गेट, गॉर्डरूम, सीवेज सिस्टम, स्ट्रीट लाइट आदि से लैस होगी। द्वितीय चरण में ग्राम नाथू बरखेड़ा भोपाल में इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तथा तृतीय चरण में क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा।

टोक्यो ओलम्पिक-2020

कोविड-19 जैसी विश्वव्यापी महामारी के बावजूद खेलों के लिहाज से उपलब्धियों भरा रहा वर्ष 2021 । इस वर्ष जहां जापान के टोक्यो में ओलम्पिक-2020 का आयोजन हुआ। इस आयोजन में मध्य प्रदेश से प्रशिक्षित सर्वाधिक खिलाड़ियों ने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। जहां तक मध्य प्रदेश राज्य खेल अकादमियों के खिलाड़ियों की बात की जाय तो पुरूष हॉकी अकादमी के दो खिलाड़ी नीलाकांता शर्मा तथा विवेक सागर प्रसाद ने भारतीय हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व किया और देश को ओलम्पिक का कांस्य पदक हासिल करने में महति भूमिका निभायी। महिला हॉकी अकादमी की खिलाड़ी सुशीला चानू, मोनिका, वन्दना कटारिया भी ओलम्पिक में भारतीय महिला हॉकी टीम का हिस्सा रही। शूटिंग अकादमी के दो खिलाड़ियों एश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने रायफल इवेन्ट में तथा चिंकी यादव ने पिस्टल इवेन्ट में भारत को ओलम्पिक कोटा दिलाया। एश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने ओलम्पिक में भारतीय दल का प्रतिनिधित्व भी किया। वहीं पैरा पिस्टल शूटर रूबिना फ्रांसिस ने भी पैरा भारत को ओलम्पिक कोटा दिलाया और पैरा ओलम्पिक गेम्स में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। यह तीनों खिलाड़ी मप्र राज्य शूटिंग अकादमी के खिलाड़ी है।

पोलैंड। विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप में इतिहास रचते हुए उज्बेकिस्तान के 17 वर्षीय ग्रांड मास्टर अब्दुसत्तारोव नोदिरबेक नें विश्व रैपिड शतरंज चैम्पियन बनने का इतिहासिक कारनामा कर दिया और इसके साथ ही वह शतरंज इतिहास के सबसे कम उम्र के रैपिड विश्व चैम्पियन बन गए है । विश्व रैपिड चैंपियनशिप के तीसरे और आखिरी दिन उन्होने कमाल का प्रदर्शन जारी रखते हुए दसवें राउंड मे पहले विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन को पराजित करते हुए खेल जीवन की सबसे बड़ी जीत हासिल की।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS

90 मीटर का आंकड़ा पार करने से सर्वश्रेष्ठ में नाम शामिल होगा : नीरज चोपड़ा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ओलंपिक स्वर्ण पदक जीत चुके भारत के भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की नजरें 90 मीटर की बाधा पार करने पर लगी है और उनका मानना है कि ऐसा करने से उनका नाम इस खेल में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हो जाएगा। तोक्यो ओलंपिक में अपने दूसरे प्रयास में 87.58 मीटर का थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज का सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 88.07 मीटर है। उन्होंने कहा कि पदक एक बात है और दूरी अलग। 90 मीटर का थ्रो फेंकने से मेरा नाम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भालाफेंक खिलाड़ियों में शामिल होगा। मैं इसके करीब हूं और जल्दी ही यह बाधा पार करूंगा लेकिन मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचता। मुझ पर कोई दबाव नहीं है कि वहां तक नहीं पहुंचा तो गड़बड़ हो जाएगा। अभी मैं दो मीटर दूर हूं। यह कम भी नहीं है लेकिन असंभव भी नहीं क्योंकि मेरा अभ्यास अच्छा है।मैं इसके

बारे में ज्यादा नहीं सोचता लेकिन यह ऐसी बाधा है तो मुझे इस साल पार करनी है। उन्होंने कहा कि तकनीक में ज्यादा बदलाव की जरूरत नहीं है। मैं जो कर रहा हूं, उसी में सुधार करूंगा। दमखम और रफ्तार पर काम करना होगा तो दूरी अपने आप तय हो जाएगी। ओलंपिक में ट्रैक और फील्ड पदक का भारत का सौ साल पुराना इंतजार खत्म करने वाले चोपड़ा ने कहा कि ओलंपिक के बाद उनका दस किलो वजन बढ़ गया। ओलंपिक से आने के बाद मैने वह सब कुछ खाया तो मैं खाना चाहता था। मैं बहुत समय से नियंत्रण कर रहा था। मेरा करीब 12.13 किलो वजन बढ गया। चोपड़ा अब अमेरिका के चुला विस्टा में आफ सीजन अभ्यास कर रहे हैं और उनका वजन आफ सीजन वजन के करीब पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि मैं 22 दिन से अभ्यास कर रहा हूं और अब तक 5.5 किलो वजन कम कर लिया है। अब मेरा वजन आफ सीजन वजन के करीब है। शुरूआती कुछ दिन कठिन थे। शरीर में दर्द होता था और काफी मेहनत करनी पड़ती थी। मैं थक जाता था लेकिन शरीर के लिए कड़ा अभ्यास कर रहा हूं ताकि जल्दी ही भालाफेंक पर केंद्रित अभ्यास कर सकूं। भारतीय खेलों में बेहतरी के लिये क्या बदलाव लाने होंगे, यह पूछने पर उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा खेलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जितना ज्यादा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलेंगे, उतना ही अच्छे खिलाड़ियों से खेलने का अनुभव मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

सरकार ने चुनावी बांड की 19वीं किस्त को मंजूरी दी, एक जनवरी से शुरू होगी बिक्री

नई दिल्ली। सरकार ने बृहस्पतिवार को चुनावी बांड की 19वीं किस्त जारी करने को मंजूरी दे दी। यह एक जनवरी से 10 जनवरी तक खुलेगी। यह मंजूरी पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले दी गयी है। राजनीतिक चंदे में पारदर्शिता लाने के प्रयासों के तहत राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले नकद चंदे के विकल्प के रूप में चुनावी बांड की व्यवस्था की गयी है। हालांकि, विपक्षी दल ऐसे बांडों के माध्यम से चंदे में कथित पारदर्शिता की कमी को लेकर चिंता जताते रहे हैं। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को जनवरी से 10 जनवरी 2022 के बीच उसकी 29 अधिकृत शाखाओं के जरिये चुनावी बांड जारी करने और उसे भुनाने के लिये अधिकृत किया गया है।'' एसबीआई की ये 29 विशिष्ट शाखाएं लखनऊ, शिमला, देहरादून, कोलकाता, गुवाहाटी, चेन्नई, तिरुवनंतपुरम, पटना, नई दिल्ली, चंडीगढ़, श्रीनगर, गांधीनगर, भोपाल, रायपुर और मुंबई जैसे शहरों में हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और गोवा में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। पहले चरण के चुनावी बांड की बिक्री एक से 10 मार्च, 2018 के दौरान हुई थी। बांड की 18वीं किस्त की बिक्री 1-10 सितंबर 2021 को हुई थी।

प्री-स्कूल के बच्चों की लर्निंग किट पर लगेगा जीएसटी

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के दौर में कर को लेकर एक और विवाद सामने आ सकता है। आपको प्री-स्कूल बच्चों के लर्निंग किट पुस्तकों पर ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ेंगे। इन किट पुस्तकों पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। अन्य बच्चों की ड्राइंग बुक्स को अप्रत्यक्ष कर से छूट मिली हुई है। जबकि मध्य प्रदेश में अथॉरिटी आफ एडवांस रूलिंग (एएआर) ने लर्निंग किट पर 5 प्रतिशत जीएसटी का प्रावधान किया है। सामान्यतया पुस्तकों पर भी शून्य जीएसटी दर है। राइजोम सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने एडवांस रूलिंग की मांग की थी कि उनके किस उत्पाद पर जीएसटी लगेगा, लर्निंग किट बॉक्स पर या किट बॉक्स पर जिसे वह %क्लास मॉनिटर होम लर्निंग किट% के रूप में बेचती है। ये किट बच्चों की पिक्चर बुक होती है। यह खुले पन्ने पर होती है, बच्चों को सीखने के लिए उनकी शुरुआती उम्र में इनका इस्तेमाल किया जाता है। कंपनी ने तर्क दिया कि इस तरह के किट बॉक्स और किताबें घर पर सीखने के साधन हैं, जो बच्चों के स्कूल जाने के पहले इस्तेमाल होते हैं। इसका मकसद बच्चों में विभिन्न तरह के कौशल जैसे भाषाई, तार्किक, संवेदना, व रचनात्मकता विकसित करना है। इस किट बॉक्स में विभिन्न शीटों पर सामग्री होती है, जिसका इस्तेमाल प्री प्राइमरी शिक्षा और बच्चों में कौशल विकास में होता है।

अभी तय नहीं जैन की कर देनदारी : डीजीजीआई

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग ने कानपुर के इत्र कारोबारी पीयूष जैन के ठिकानों की तलाशी के दौरान बरामद 197.49 करोड़

चीन को चुभी मर्सिडीज-बेंज की ब्यूटी : तिरछी आंखें-ज्यादा मेकअप...मॉडल देखकर भड़क गए लोग

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

जर्मनी की लग्जरी वाहन निर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज की एक नई कार के विज्ञापन पर बवाल मच गया है। विज्ञापन को चीन की सोशल साइट वीबो पर शेयर किया था, जिसमें मॉडल का लुक देखकर चीन ने कड़ी आपत्ति जताई है। दरअसल, विज्ञापन में मॉडल को तिरछी आंखें-ज्यादा मेकअप के साथ दिखाया गया था। हालांकि, चीन की ओर से विरोध किए जाने के बाद कंपनी ने विज्ञापन को हटा लिया। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, मर्सिडीज-बेंज की नई कार के विज्ञापन का वीडियो 25 दिसंबर को कंपनी के वीबो अकाउंट पर शेयर किया

गया था। इसमें मॉडल को तिरछी आंखें और ज्यादा मेकअप के साथ दिखाया गया, जिस पर चीन के लोगों ने ऐतराज जताया। चीनी समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक, इस विज्ञापन को लेकर लोगों में रोष है। लोगों का मानना है कि मॉडल का मेकअप एशियाई लोगों के बारे में पश्चिमी सोच की रूढ़िवादिता को दर्शाता है।

विरोध के बाद कंपनी ने हटाया विज्ञापन

विज्ञापन पर विवाद बढ़ता देख मर्सिडीज-बेंज के विज्ञापन का वीडियो सोशल मीडिया से हटा लिया गया। बता दें कि यह पहली बार नहीं है, जब किसी विज्ञापन ने चीनी नागरिकों ने ऐतराज जताया है। इस तरह के विज्ञापन को लेकर विवाद में घिरने वाली फ्रांसीसी फैशन हाउस क्रिश्चियन डायर के बाद मर्सिडीज-बेंज दूसरी कंपनी है। इसी साल नवंबर में डायर की एक कला प्रदर्शनी पर हंगामा खड़ा हो गया था, जिसमें एक एशियाई मॉडल काले मेकअप के साथ एक हैंडबैग पकड़े दिखाया था। फोटोग्राफर ने विज्ञापन के फोटोज के लिए माफी भी मांगी थी। साल 2018 में इटेलियन लग्जरी फैशन ब्रांड Dolce & Gabbana ने अपने विज्ञापन में एशियाई महिलाओं को चॉपस्टिक के साथ स्पेगेटी, पिज्जा और कैनोली खाने की कोशिश करते हुए दिखाया गया था।

यूपी में समय पर चुनाव चाहते हैं सभी राजनीतिक दल : चंद्रा

नई दिल्ली। मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुशील चंद्रा ने आज कहा कि उत्तर प्रदेश के सभी राजनीतिक दल समय पर राज्य का आगामी विधानसभा चुनाव संपन्न कराना चाहते हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पिछले दिनों उनके साथ बैठक में सभी राजनीतिक दलों ने उनसे कहा है कि राज्य में कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए समय से चुनाव होने चाहिए। यह बयान इलाहाबाद उच्च न्यायालय के हाल के उस आग्रह के मद्देनजर काफी महत्वपूर्ण माना जा सकता है, जिसमें उसने कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्य के विधानसभा चुनाव को कुछ समय के लिए टालने पर विचार करने को कहा गया था। मुख्य निर्वाचन आयुक्त की अगुवाई में चुनाव आयोग का एक दल लखनऊ के तीन दिवसीय दौरे पर है।

जियो, एयरटेल, वीआई ग्राहक ध्यान दें

1 जनवरी को रिचार्ज कराने पर 31 दिसंबर तक हो जाएंगे फुर्सत, 1668 रुपए तक बचत भी होगी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

1 जनवरी, 2022 को फोन का रिचार्ज कराया जाए और 31 दिसंबर, 2022 तक फुर्सत हो जाए। तो सोचिए कैसा रहेगा? यानी साल के 365 दिन तक कोई नया रिचार्ज कराने की जरूरत नहीं पड़े। रिलायंस जियो, एयरटेल, वोडाफोन आइडिया जैसी सभी कंपनियों के पास ऐसे प्लान मौजूद हैं। सालभर की वैलिडिटी वाले इन सिंगल रिचार्ज पर अच्छे-खासे रुपए भी बच जाते हैं। हम आपको इन सभी कंपनियों के ऐसे ही डेटा प्लान के बारे में बता रहे हैं।

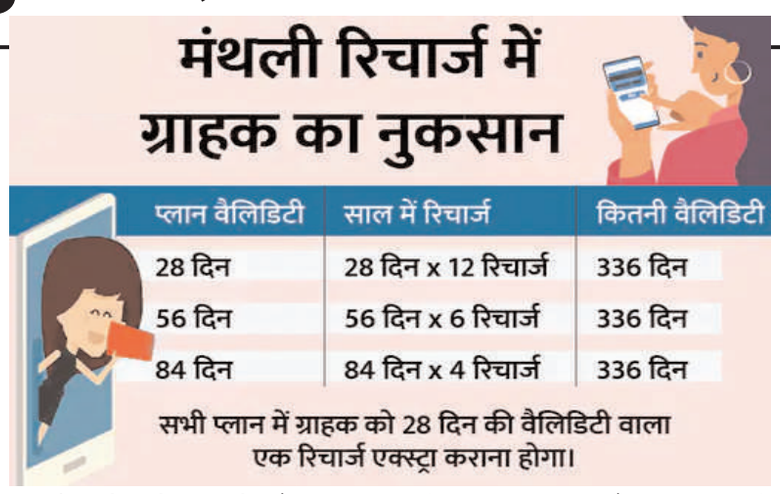

सबसे पहले जानते हैं कि सालभर वाले रिचार्ज का फायदे क्या हैं?

सालभर वाले डेटा प्लान से न सिर्फ बार-बार फोन रिचार्ज कराने की झंझट खत्म होता है, बल्कि इससे दो रिचार्ज तक के पैसे भी बच जाते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि सालभर वाले रिचार्ज का अमाउंट बार-बार रिचार्ज कराने वाले प्लान से औसतन कम होता है। वहीं, हर महीने वाले प्लान की वैलिडिटी 28 दिन, 56 दिन या 84 दिन होती है। 28 दिन की वैलिडिटी वाले 13 रिचार्ज कराने पर 364 दिन की वैलिडिटी मिलती है। इसी तरह 56 दिन और 84 दिन की वैलिडिटी वाले प्लान में भी 28 दिन की वैलिडिटी वाला एक्स्ट्रा रिचार्ज कराना होता है। कुल मिलाकर एक रिचार्ज के एक्स्ट्रा रुपए खर्च करने पड़ते हैं।

अब बात करते हैं कि सालाना प्लान में आपको फायदा कैसे मिलेगा?

जियो के पास देशभर में करीब 44 करोड़ ग्राहक हैं। सभी ग्राहक अपनी सुविधा और बजट के हिसाब से रिचार्ज भी कराते होंगे। जियो के पास 14 दिन की वैलिडिटी के साथ 365 दिन की वैलिडिटी वाले प्लान मौजूद हैं। सभी पर अलग-अलग डेटा मिलता है। हालांकि, सालाना रिचार्ज पर मिलने वाले फायदा दूसरे सभी प्लान की तुलना में ज्यादा है। जियो के पास सालभर की वैलिडिटी वाले अभी 4 प्लान हैं। इनमें 2545 रुपए, 2879 रुपए, 3119 रुपए और 4199 रुपए वाले प्लान शामिल हैं। चलिए इन सभी के बारे में जानते हैं। यदि ग्राहक कुल 2जीबी डेटा प्लान 28 दिन की वैलिडिटी के साथ लेता है तब उसे सालभर में 13 रिचार्ज कराना होंगे। इस प्लान की कीमत 179 रुपए है। यानी 13 रिचार्ज के लिए उसे 2327 रुपए खर्च करने होंगे। जबकि सालभर वाले प्लान में उसको 1799 रुपए ही खर्च करने पड़ रहे हैं। यानी 528 रुपए की बचत हो रही है। अब यदि ग्राहक डेली 2जीबी डेटा प्लान 28 दिन की वैलिडिटी के साथ लेता है तब उसे सालभर में 13 रिचार्ज कराना होंगे। इस प्लान की कीमत 359 रुपए है। यानी 13 रिचार्ज के लिए उसे 4667 रुपए खर्च करने होंगे। जबकि सालभर वाले प्लान में उसको 2999 रुपए ही खर्च करने पड़ रहे हैं। यानी 1668 रुपए की बचत हो रही है। वोडाफोन आइडिया के पास देशभर में 27 करोड़ यूजर हैं। जियो और एयरटेल के बाद ये देश की तीसरी सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी भी है। वीआई के पास 365 दिन की वैलिडिटी वाले कुल 3 प्लान हैं। इसमें 1799 रुपे, 2899 रुपए और 3099 रुपए वाले डेटा प्लान शामिल हैं।

लीक से अलग जगहों की यात्रा का अनुभव लेने के ख्वाहिशमंद हैं सैलानी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

मुंबई की निवासी अल्पा जानी ने मनाली में दो बार अपनी छुट्टियां बिताई थीं लेकिन हिमालय के प्रति अपने आकर्षण की वजह से वह नवंबर में तीसरी बार उस जगह फिर पहुंच गईं। हालांकि, इस बार उन्होंने शहर के होटल के बजाय तंबू में रहने का विकल्प चुना जहां से धौलाधार पर्वतमाला और मनाली घाटी के खूबसूरत नजारों से सीधे रूबरू हुआ जा सकता था। अल्पा की तरह पर्यटकों की बढ़ती तादाद अब लीक से हटकर अलग जगहों और उससे जुड़े अनुभवों को लेना चाहती है जो शहर के किसी होटल में ठहरने पर मुमकिन नहीं है। ग्लैंपइको मनाली के सह-संस्थापक अक्षत जैन का कहना है, %गुंबद के आकार वाले हमारे सात टेंट जनवरी के आखिर तक के लिए बुक हैं। इंजीनियर रह चुके जैन शौकिया तौर पर पर्वतारोही हैं और उन्होंने नवंबर 2019 में ग्लैम्पिंग का अनुभव देने की पेशकश शुरू कर दी। वह कहते हैं, %हमारे मेहमानों में अधिकांश लोग मुंबई और बेंगलूरु से हैं जो एकांत जगहों और खूबसूरत दृश्यों की तलाश करते हैं। हमें दोबारा बुकिंग के अनुरोध भी मिलते हैं लेकिन सीमित जगह के कारण इसमें लंबा इंतजार करना पड़ जाता है। इन दिनों हॉलिडे सेवाओं की पेशकश करने वाले लोग यात्रा योजनाओं में नए बदलाव लाते हुए पर्यटकों को भीड़ से अलग कैंपिंग पैराग्लाइडिंग, जंगल में घूमने, बाइक से सैर करने जैसे विकल्प दे रहे हैं जो कोविड के वक्त के लिए जरूरी भी है। महामारी की वजह से राज्य सरकारें कई तरह की चेतावनियां जारी कर रही हैं, ऐसे में कम भीड़ वाली जगहों और आकर्षक जगहों के प्रति दिलचस्पी बढ़ी है। बेंगलूरु के एक लक्जरी ट्रैवल विशेषज्ञ पनाशे वर्ल्ड के डायरेक्टर लवलीन अरुण कहते हैं, %गोवा या राजस्थान की नियमित यात्राओं के साथ-साथ हमने लीक से हटकर अनुभवों की मांग देखी है। हाल ही में हमने मालदीव में डाइविंग ट्रिप के लिए दो परिवारों की मदद की। लोग पूर्वोत्तर में नदी भ्रमण और कश्मीर के गुलमर्ग में स्कीइंग हॉलिडे जैसे अनुभवों की तलाश में हैं। वह कहती हैं, हालांकि, ओमीक्रोन की वजह से नई बुकिंग पर असर पड़ रहा है और कुछ लोग अपनी यात्राओं को स्थगित कर रहे हैं।

कच्चे माल की लागत का और बोझ नहीं उठा पाएंगी फर्म!

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

थोक मंडिया वर्ष 2021 की शुरुआत में 2020 के मुकाबले 2.5 फीसदी ज्यादा दाम पर माल बेच रही थीं, जबकि उपभोक्ताओं को 4.06 फीसदी अधिक कीमतों पर वस्तु एवं सेवाएं मिल रही थीं। नवंबर तक हालात बहुत अधिक बदल गए। थोक मंडियों ने पिछले साल नवंबर की तुलना में 14.23 फीसदी अधिक दाम पर माल बेचा जबकि उपभोक्ताओं को पिछले साल नवंबर की तुलना में 4.91 फीसदी ज्यादा कीमतें चुकानी पड़ीं। इससे लगता है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में वस्तुओं एवं सेवाओं के भारांश के मुताबिक थोक विक्रेताओं ने उनकी बिक्री की और उपभोक्ताओं ने खरीदीं। इसका मतलब है कि कंपनियां अब भी बढ़ी कीमतों का बोझ पूरी तरह ग्राहकों पर नहीं डाल पाई हैं क्योंकि अर्थव्यवस्था में मांग कम है, जिससे उनके मार्जिन पर दबाव पड़ रहा है। हालांकि कुछ लागत ग्राहकों पर डालने की खबरें भी आई हैं। स्थिति लगातार ऐसी नहीं रह सकती और कंपनियां अपने मार्जिन को और नहीं घटाएंगी। पूर्व मुख्य सांख्यिकीविद प्रणव सेन ने क हा, ऐसा होने जा रहा है। कच्चे माल और मध्यवर्ती स्तर पर कीमतों में बदलाव डब्ल्यूपीआई में शामिल होता है। आम तौर पर कीमतों में बढ़ोतरी का बोझ तीन से चार महीनों में ग्राहकों पर डाला जाता है। अभी कीमतों का पूरा बोझ ग्राहकों पर नहीं डाला गया है। डब्ल्यूपीआई के इन स्तरों से खुदरा कीमतें भी प्रभावित होंगी। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि डब्ल्यूपीआई वैश्विक जिंस कीमतों में बदलावों को लेकर संवेदनशील था और इस पर जल्द असर पड़ा। उन्होंने कहा, %उत्पादक उपभोक्ताओं पर कीमतों में बढ़ोतरी का बोझ डालने से पहले थोड़े लंबे समय तक स्थिति को देखते हैं। इससे सीपीआई का असर कम और धीमा हो जाता है। भारत में भी कीमतों में बढ़ोतरी के कुछ संकेत दिखने लगे हैं क्योंकि उत्पादक मार्जिन पर और दबाव झेलने की स्थिति में नहीं हैं। हालांकि कुछ ऐसे उत्पाद हैं, जिनके लिए उपभोक्ताओं को मोटी कीमत चुकानी पड़ रही है। उदाहरण के लिए उन्हें नवंबर में टमाटर के लिए पिछले साल के इसी महीने के मुकाबले 31.35 फीसदी ज्यादा दाम चुकाने पड़े, जबकि उन्हें यह उत्पाद जनवरी 2021 में जनवरी 2020 की तुलना में 3.65 फीसदी कम पर मिला।

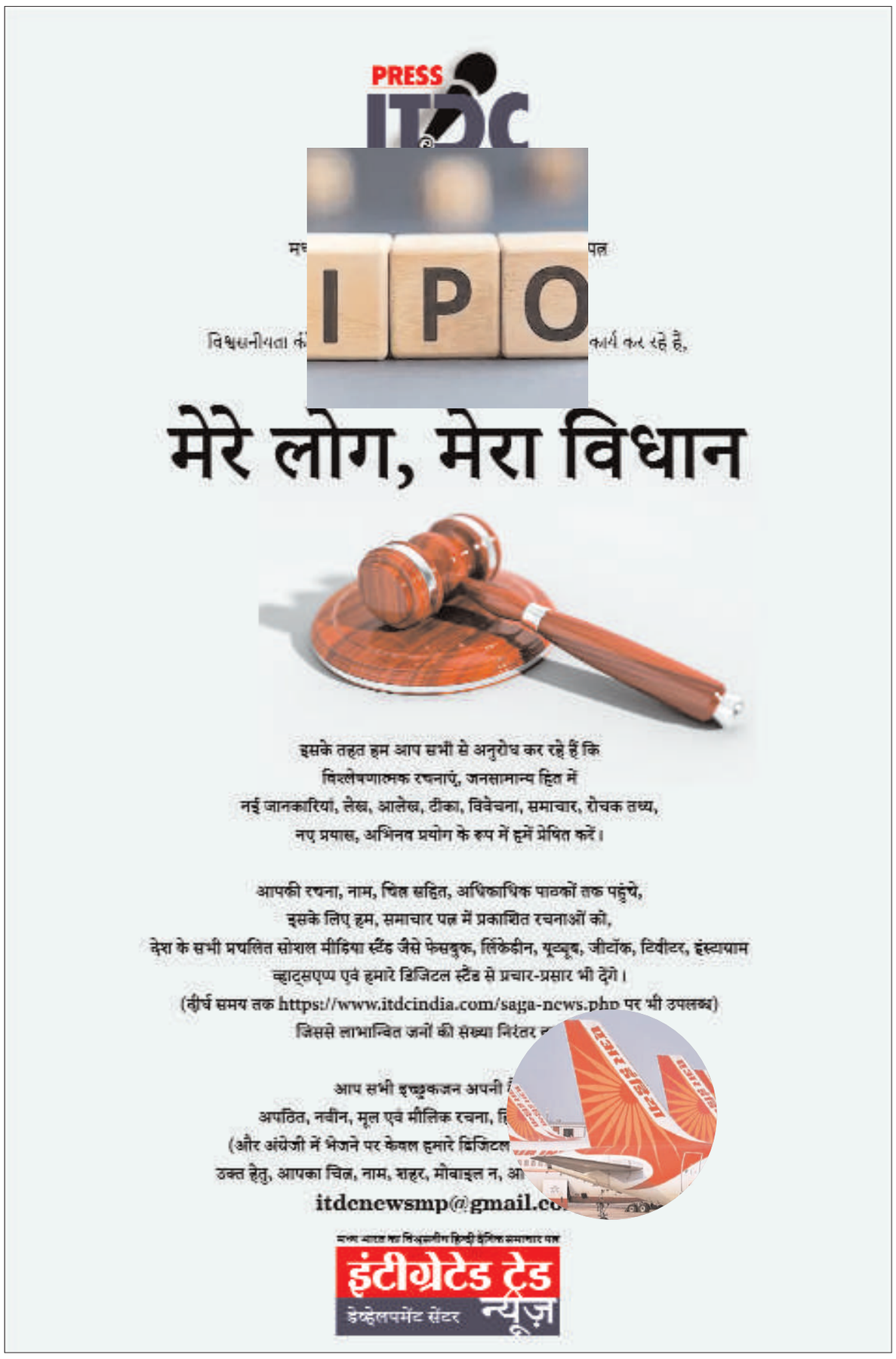

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।